Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 235
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार ,24 मार्च 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

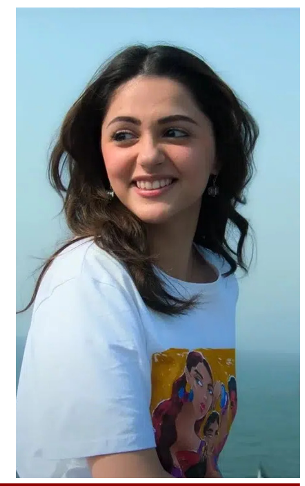

2 मूल्यांकन कार्य ने पकड़ी रफ्तार जांची गई 44,783 | 4 सोशल मीडिया पर छाया नया रिलेशनशिप ट्रेंड | 7 फैशन शो में अनीत पड्डा ने लगाए चार चांद

कैबिनेट की बैठक में किसानों के हित में योगी का बड़ा फैसला

सरकार ने गेहूं पर 160 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई एमएसपी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों, ऊर्जा और निवेश से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में कुल 37 प्रस्ताव लाए गए, जिनमें से 2 प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। इनमें चीनी उद्योग और लखीमपुर खीरी से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद मार्च से 15 जून तक की जाएगी। राज्य के सभी 75 जिलों में 6500 क्रय केंद्र बनाए जाएंगे और 8 एजेंसियों के माध्यम से खरीद होगी। इन एजेंसियों में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), यूपी मंडी परिषद, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, नैफेड और एनसीसीएफ शामिल हैं। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि सरकार ने दुमका (झारखंड) में 2242.90 करोड़ रुपये में कोल ब्लॉक खरीदा है। इससे घाटमपुर स्थित 660 मेगावाट की तीन यूनिटों को कोयला मिलेगा।उन्होंने कहा कि अभी कोयला दूर से मंगाना पड़ता है, लेकिन झारखंड से आपूर्ति होने पर बिजली उत्पादन सस्ता होगा और उपभोक्ताओं को करीब 80 पैसे प्रति यूनिट तक सस्ती बिजली मिल सकेगी। राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को मंजूरी दी है। अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि सभी नगर निगमों को भी सोलर सिटी बनाने की योजना है। इसके अलावा गोरखपुर के चिलुआ ताल में सोलर प्लांट लगाया जाएगा, जिसे कोल इंडिया लिमिटेड स्थापित करेगी। इसके लिए सरकार ने 80 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि निजी बिजनेस पार्क निर्माण योजना को मंजूरी दी गई है, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही संभल में इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक सेंटर विकसित किया जाएगा, जिसे निवेशकों को सौंपा जाएगा।

सरकार के चार साल बेमिसाल कार्यक्रम का सीएम धामी ने किया शुभारंभ

स्टॉल पर पहुंच बनाई सेल रोटी

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून परेड ग्राउंड में आज उत्तराखंड सरकार के चार साल बेमिसाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सीएम धामी कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद यहां आयोजित स्टॉल पर पहुंचे। राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसाल थीम पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 23 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का शुभारंभ आज सोमवार को परेड ग्राउंड से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी किया। इस दौरान परेड ग्राउंड में लगे स्टालों का उद्घाटन करने पहुंचे सीएम ने यहां पर सेल रोटी बनाई। कार्यक्रम का प्रदेश के सभी जनपदों में प्रसारण भी किया जाएगा। भाजपा सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर परेड ग्राउंड में आयोजित चार साल बेमिसाल कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर सीएम धामी शुभारंभ किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सुबोध उनियाल, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजानदास, सविता कपूर, मेयर सौरभ बहुगुणा मौजूद रहे। देवभूमि का चार साल में चौगुना विकास, फिर कमल खिलने की गारंटी : भट्ट भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने शानदार और ऐतिहासिक कार्य किए हैं। पहली बार हुए कार्यों की ही बात करें तो हम यूसीसी लाने वाले पहला राज्य बने, सर्वाधिक कठोर नकल निरोधक कानून हम लाए, इसी तरह कठोरतम धर्मांतरण कानून लाया गया।

सुप्रीम कोर्ट के जज ने यूएपीए के अत्यधिक इस्तेमाल पर जताई गहरी चिंता

कहा- असहमति को अपराध बनाना विकसित भारत का मॉडल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने कहा है कि असहमति को अपराध घोषित करने, आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत अंधाधुंध गिरफ्तारियों और गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता है। रविवार को बेंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति भुइयां ने उच्च न्यायपालिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर अफसोस व्यक्त किया। उन्होंने इसकी तुलना देश भर में जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारियों के पदों पर 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की नियुक्ति से की। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा ष्लेकिन क्या संवैधानिक अदालतों में भी यही प्रणाली लागू हुई है? सवाल यही है। यहीं पर कॉलेजियम प्रणाली की जांच पड़ताल का महत्व सामने आता है। ऐसा क्यों है कि जब मूल्यांकन व्यक्तिपरक हो जाता है, तो महिलाएं उस स्तर तक नहीं पहुंच पातीं? उन्होंने कहा, 1950 से अब तक उच्चतम न्यायालय के 287 न्यायाधीशों में से कुल मिलाकर केवल 11 महिला न्यायाधीश रही हैं। ऐसा क्यों? फातिमा बीवी से लेकर अब न्यायमूर्ति नागरत्ना तक, यह आंकड़ा लगभग दो प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम के व्यक्तिपरक मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार, बहुत कम लोगों का ही उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में चयन होता है। गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के इस्तेमाल के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने 2019 से 2023 तक के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि सही मायने में विकसित राष्ट्र को राजनीतिक नारों के बजाय संवैधानिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, यूएपीए के तहत कम दोषसिद्धि दर कानून के दुरुपयोग को नहीं तो अत्यधिक उपयोग को दशार्ती है।

भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि... लोकसभा में बोले पीएम मोदी

पश्चिम एशिया के कारण उपजे संकट का मिलकर करना है मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को गम्भीर चिंता का विषय बताते हुए सोमवार को कहा कि कच्चे तेल एवं गैस की जरुरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है इसलिए भारत पर इसका असर स्वभाविक है लेकिन इस चुनौती का मिलकर और एकजुटता के साथ मुकाबला करने की जरूरत है। पीएम मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर वक्तव्य देते हुए कहा कि इस संकट के कारण भारत की चिंताएं स्वाभाविक है लेकिन भारत को एकजुट रहकर चुनौतियों का मुकाबला करना आता है। कोरोना संकट के समय की इसी तरह की चुनौती का हमने एकजुट रहकर सामना किया था और अब इस चुनौती का मुकाबला भी उसी तरह एकजुटता से करना होगा। पश्चिमी एशिया के देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा, इन देशों में हमारे मिशन भारतीयों की मदद में जुटे हैं। प्रभावित देशों में हमारे मिशन लगातार भारतीयों की मदद में लगे हुए हैं। चाहे वहां काम करने वाले भारतीय हों या वहां गए पर्यटक, सभी को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। भारतीय मिशन नियमित रूप से इसको लेकर सलाह जारी कर रहे हैं। भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24ग्7 सहायता कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं। इनके माध्यम से सभी प्रभावित लोगों को नवीनतम जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा संकट के समय में भारत और विदेश में भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस युद्ध की शुरूआत से ही प्रभावित देशों में रहने वाले प्रत्येक भारतीय को सहायता प्रदान की गई है। मैंने पश्चिम एशियाई देशों के अधिकांश राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बात की है। सभी ने भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। यह दुखद स्थिति है कि संघर्ष के दौरान कुछ लोगों ने अपनी जान गंवाई है और कुछ घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री ने युद्धग्रस्त और संघर्ष से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक संबंध का जिक्र करते हुए कहा, ष्जिस क्षेत्र में संघर्ष चल रहा है, वह विश्व के अन्य देशों के साथ हमारे व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग भी है। यह क्षेत्र विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की जरुरतों के लिए हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा यह क्षेत्र हमारे लिए इस कारण से भी महत्वपूर्ण है कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं।

हरियाणा पुलिस का बड़ा कदम, यूट्यूब-इंस्टा से हटाए गए टटीरी गाने से जुड़े 154 वीडियो

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस ने सोमवार को कहा कि गायक बादशाह के विवादास्पद गाने टटीरी से जुड़े 857 लिंक हटा दिए गए हैं। यह कार्रवाई विभिन्न सोशल मीडिया मंच के साथ समन्वय और विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए की गई है। पुलिस ने बताया कि पंचकूला में छह मार्च को बादशाह के हालिया गाने श्टटीरीश में आपत्तिजनक शब्दों और दृश्यों के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस आपत्तिजनक गाने से जुड़े अब तक 154 यूट्यूब वीडियो और 703 इंस्टाग्राम रील सहित कुल 857 लिंक हटाए जा चुके हैं। बयान में कहा गया, संबंधित सोशल मीडिया मंचों को नोटिस जारी कर इस गाने के सभी संस्करणों को हटाने का निर्देश दिया गया है। यह कदम महिलाओं और नाबालिगों के प्रति अपमानजनक संदर्भों वाली आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि महिलाओं और नाबालिगों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सोनम वांगचुक को एससी से बड़ी राहत, कोर्ट ने किया केस का निपटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत, के खिलाफ उनकी पत्नी गीतांजलि जे अंगमो द्वारा दायर याचिका का सोमवार को निपटारा कर दिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने कहा कि केंद्र ने 14 मार्च को वांगचुक की हिरासत का आदेश रद्द कर दिया था। न्यायालय ने कहा कि इस मामले में अब कुछ भी नहीं बचा। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि क्या सरकार द्वारा वांगचुक की हिरासत पर पुनर्विचार किए जाने की कोई संभावना है, उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए। केंद्र ने 14 मार्च को बताया कि उसने लेह में हिंसक प्रदर्शनों के बाद वांगचुक की गिरफ्तारी के लगभग छह महीने बाद रासुका के तहत उनकी हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

मदरसा शिक्षक बना हैवान! 70 साल के मौलाना ने 11 साल के बच्चे से किया कुकर्म

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के शाहपुर कस्बे में 11 साल के एक मदरसा छात्र के साथ 70 वर्षीय उसके शिक्षक ने कथित रूप से दुष्कर्म किया। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने यहां पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने मदरसा शिक्षक इकबाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पाक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर एक वीडियो के प्रसारित होने के बाद की, जिसमें शिक्षक पीड़ित लड़के के साथ दुष्कर्म करते हुए नजर आ रहा है। पीड़ित छात्र के परिवार द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उनका लड़का मदरसा का छात्र है और उसके शिक्षक ने उसके साथ दुष्कर्म किया तथा उसे किसी से भी इस बारे में बात न करने की धमकी दी। एसपी ने बताया कि यह घटना तब सामने आई जब शिक्षक के इस घिनौने कृत्य का एक वीडियो सार्वजनिक हो गया।

हम जीते तो यूपी की महिलाओं को देंगे 40 हजार रुपये

यूपी चुनाव को लेकर अखिलेश यादव की बड़ी घोषणा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को पीडीए में ए का मतलब आधी आबादी बताया और कहा कि इनको समृद्ध करने के लिए स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना लाएंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान पीडीए शब्द पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों को संबोधित करने के लिए गढ़ा था। यादव ने एक्स अग्रणी महिलाओं के साथ अपनी पत्नी सांसद डिंपल यादव समेत खुद की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, आधी आबादी की पूरी आजादी व उनकी हिफाजत के साथ-साथ उनके हक-अधिकार, सशक्तीकरण व सबलीकरण के लिए हम सब सदैव कटिबद्ध-प्रतिबद्ध रहे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा, जब परिवार-समाज और देश को मजबूत करने वालों को सम्मान मिलता है तो उनका मान और मनोबल दोनों बढ़ता है। उन्होंने आगे कहा, हम पीडीए में शामिल ए मतलब आधी आबादी अर्थात हर बच्ची, युवती, नारी, महिला को सामाजिक-आर्थिक रूप से समान सम्मान देने और अपने पैरों पर खड़े होने व उन्हें समृद्ध करने के लिए स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना लाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा किसमाजवादी पेंशन को फिर से लाकर हम महिलाओं की ताकत बढ़ाएंगे और साथ ही उप्र की संपूर्ण उन्नति के अपने संकल्प को निभाएंगे।

बजट सत्र से पहले सीएम रेखा गुप्ता का संदेश, कहा, विकास, सुविधाएं और हरित राजधानी पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को बजट सत्र से पहले विधानसभा में खीर समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आगामी बजट विकास की गति तेज करने, बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और निवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने पर केंद्रित होगा। इस समारोह में कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के साथ-साथ किसान, चिकित्सक और शिक्षक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए, गुप्ता ने कहा कि बजट का लक्ष्य बेहतर नागरिक सुविधाएं, उन्नत बुनियादी ढांचा और एक ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करना है जहां लोग आराम से रह सकें। उन्होंने कहा कि सरकार निवासियों की लंबे समय से लंबित आकांक्षाओं को पूरा करने और दिल्ली के विकास को एक नयी गति देने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, बजट में छात्रों के लिए बेहतर सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना तथा स्वच्छ हवा व हरित राजधानी सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम शामिल होंगे।

केरल ने राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष के तहत 311.95 करोड़ रुपये पाने के लिए आवेदन नहीं किया: निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केरल द्वारा राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष के तहत 311.95 करोड़ रुपये हासिल करने के लिए आवेदन नहीं किए जाने का उल्लेख करते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि केंद्रीय अनुदानों के लिए मंजूरी मिलना एक बात है और राज्यों द्वारा उस राशि को प्राप्त करने के लिए आवेदन करना दूसरी बात है। केंद्र सरकार की ओर से केरल का अनुदान लंबित रहने संबंधी कांग्रेस सदस्य मणिकम टैगोर के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए सीतारमण ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य को उपयोगिता प्रमाणपत्र देना होता है ताकि आगे की राशि उसे जारी की जा सके। सीतारमण ने कहा कि उदाहरण के लिए केरल से संबंधित एक विषय था जिसमें आवंटन किए जाने के बावजूद केरल सरकार ने राशि प्राप्त नहीं की। उन्होंने कहा कि केरल को राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष के तहत 311.95 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, जिसमें वायनाड के भूस्खलन प्रभावित इलाकों में जोखिम प्रबंधन की परियोजना के लिए 72 करोड़ रुपये शामिल हैं। सीतारमण ने कहा, श्जिन 311.95 करोड़ रुपये के लिए स्वीकृति दी गई, उसमें एक भी पैसा जारी नहीं किया गया है। मैं इस राशि को तभी जारी करूंगी जब राज्य इसके लिए आवेदन करेगा, मांगेगा।

भाजपा सरकार में उपेक्षा का शिकार हो रहा राजस्थान का सुदृढ़ स्वास्थ्य ढांचा: अशोक गहलोत

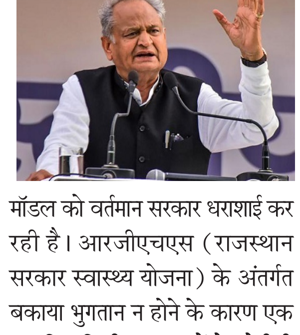

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य ढांचा उपेक्षा का शिकार हो रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को बिगड़ते हालात सुधारने के लिए ध्यान देना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा, राजस्थान का सुदृढ़ स्वास्थ्य ढांचा आज उपेक्षा का शिकार होकर दरक रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह बेहद चिंताजनक है कि हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा स्थापित विश्वस्तरीय हेल्थ मॉडल को वर्तमान सरकार धराशाई कर रही है। आरजीएचएस (राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना) के अंतर्गत बकाया भुगतान न होने के कारण एक बार फिर निजी अस्पतालों ने ओपीडी और दवा देने संबंधी सेवाएं रोकने की तैयारी कर ली है, जिससे कर्मचारी और पेंशनधारक अधर में हैं। उन्होंने कहा, साथ ही, चिरंजीवी (एमएए) योजना को शिथिल कर प्रदेशभर के अस्पतालों में इलाज में देरी और आवश्यक दवाइयों की भारी किल्लत पैदा कर दी गई है। गहलोत ने दावा किया कि जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल और जनाना अस्पताल जैसे बड़े केंद्रों में रक्त की भारी कमी एक बड़ा आपातकाल है जो प्रदेशवासियों के जीवन के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने मांग की कि सरकार को चाहिए कि निजी ब्लड बैंक पर लगी रोक अविलंब हटाए ताकि मरीजों की समस्याओं का समाधान हो सके। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, चाकसू विधानसभा क्षेत्र के 108 वर्षीय बुजुर्ग गोलूराम माली ने मुझसे मिलने की इच्छा जताई जिनसे मैं कल शाम उनके गांव जाकर मिला। वहां इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में रोकी गई योजनाओं को लेकर भाजपा सरकार के प्रति रोष जताया।

आनन्दनगर-घुघली नई लाइन परियोजना पर मिट्टी एवं पुल के नींव का कार्य करते हुये कर्मचारी

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास एवं विस्तार का क्रम निरन्तर जारी

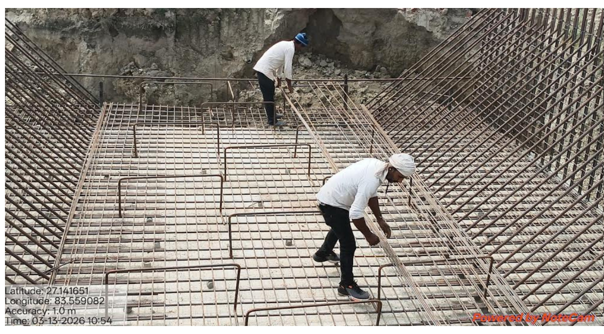

है। इसी क्रम में तराई क्षेत्र में अवस्थित महराजगंज जनपद के आनन्द नगर-घुघुली नई लाइन निर्माण परियोजना का कार्य आरम्भ हो गया है। इस परियोजना के प्रथम चरण में घुघुली से महराजगंज तक की नई रेल लाइन के लिये टेण्डर अवार्ड हो चुका है। द्वितीय चरण के अन्तर्गत महराजगंज से आनन्द नगर तक के लिये टेण्डर की प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त आनन्द नगर यार्ड रिमाडलिंग के लिये प्रक्रिया चल रही है। आनन्द नगर-घुघुली नई रेल लाइन निर्माण परियोजना के लिये आवश्यक भूमि 244 हेक्टेयर अधिगृहीत की जा चुकी है। इस नई रेल लाइन की कुल लम्बाई 51.300 किमी. है। इसके मध्य एक महत्वपूर्ण पुल का कार्य तेजी से प्रगति पर है। मिट्टी का कार्य प्रगति पर है, जिसमें से 20,000 घनमीटर मिट्टी का कार्य पूरा हो चुका है। आनन्द नगर-घुघुली नई लाइन परियोजना के अन्तर्गत 25 बड़े पुल बनाये जाने है, जिन पर कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के अन्तर्गत 08 छोटे पुल, 44 सड़क अण्डरपास/सीमित ऊँचाई के सब-वे बनाये जाने हैं, जिनमें 06 पर कार्य प्रगति पर है। आनन्द नगर-घुघुली के मध्य 04 हाल्ट स्टेशन-पिपरा, मुन्दारी, शिकारपुर, पकरी नौनिया और परसिया बुजुर्ग हाल्ट बनाये जाने का कार्य प्रगति पर है। आनन्द नगर स्टेशन यार्ड एवं महराजगंज स्टेशन बिल्डिंग निर्माण का कार्य आरम्भ कर दिया गया है। इस नई रेल लाइन के निर्माण से हिमालय के तराई क्षेत्र में स्थित महराजगंज जनपद का विकास होगा तथा कृषि बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण लघु कृषि उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। अब तक रेल मार्ग से अछूता रहा महराजगंज जिला मुख्यालय भी रेल मार्ग से जुड़ जायेगा। इस लाइन के बन जाने से उत्तर भारत से बाल्मिकीनगर एवं रक्सौल होते हुये पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लिये एक वैकल्पिक रेल मार्ग उपलब्ध हो जायेगा तथा गोण्डा-गोरखपुर खण्ड पर रेल यातायात का दबाव कम होगा। ब्रॉड गेज की यह नई रेल लाइन विद्युतीकृत लाइन होगी, जिसका लाभ हिमालय की तलहटी में स्थित इस क्षेत्र के साथ-साथ पड़ोसी देश नेपाल के लोगों को मिलेगा। वर्तमान में गोण्डा से पनियहवा वाया आनन्द नगर, गोरखपुर, गोरखपुर कैण्ट, घुघुली होते हुये कुल दूरी 307 किमी. है। इस नई रेल लाइन के बन जाने से यह दूरी 42 किमी. कम होकर 265 किमी. रह जायेगी। गोरखपुर के बाईपास हो जाने से यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आयेगी तथा गोरखपुर जं0 स्टेशन पर भार कम होगा। इसके अतिरिक्त इस लाइन के निर्माण से सीमेंट, खाद, कोयला एवं अनाजों की ढुलाई में सुविधा होने के साथ ही इससे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इस परियोजना को दो चरणों में पूर्ण किया जायेगा। प्रथम चरण में घुघली से महराजगंज एवं द्वितीय चरण में महराजगंज से आनन्द नगर का कार्य किया जायेगा।

अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर, : रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 22 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस गोंडा को निगरानी के दौरान प्लेटफार्म संख्या-02 पर यात्री सामानों की चोरी करने वाले दो शातिर चोर को यात्रियों से चोरी किये हुए मोबाइल एवं घड़ी के साथ गिरफ्तार किया गया। 23 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर द्वारा निगरानी के दौरान गोरखपुर जं स्टेशन के आरक्षण केन्द्र से रेलवे टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक टिकट दलाल को 03 आरक्षित टिकटों के साथ गिरफ्तार किया गया। 23 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट पार्टी को गाड़ी संख्या-15949 में 12 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे मनकापुर पोस्ट पर लाया गया। पूछताछ के उपरान्त लड़के को चाइल्ड लाइन गोंडा को सुपुर्द किया गया। 21 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, बदायूं को प्लेटफार्म संख्या-01 पर 09 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त लड़के को उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। 20 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, गोरखपुर को प्लेटफार्म संख्या-02 पर 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त लड़की को चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया।

डिवाइडर पार कर कार की आमने-सामने टक्कर दो की मौत दो गंभीर रूप से घायल

कानपुर। यूपी के कानपुर देहात में भीषण सड़क हादसा हुआ। दो कारों की भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। कानपुर देहात में अकबरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर इटावा हाईवे पर कुंभी दूध फैक्टरी के पास रविवार रात डेढ़ बजे के करीब सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया और यातायात बहाल कराया। कानपुर से औरैया जा रही कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई। इसी दौरान औरैया से कानपुर की ओर आ रही कार से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में औरैया की ओर जा रही कार में सवार श्रेष्ठ केसरवानी पुत्र रमेश चंद्र केसरवानी निवासी प्रीतम नगर, थाना धूमनगंज, प्रयागराज, गौरव पुत्र पप्पू शर्मा निवासी चौक प्रयागराज, हिमांशु केसरवानी पुत्र मुन्ना केसरवानी निवासी धूमनगंज प्रयागराज और रवि पुत्र लखन लाल शर्मा निवासी चौक प्रयागराज गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने हिमांशु केसरवानी और रवि को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष हरमीत सिंह ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। शव मोर्चरी भेजे गए हैं। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

मॉल में अधिकारी की पत्नी से छेड़छाड़, पुलिस ने पांच दोस्तों को हिरासत में लिया

कानपुर। मॉल घूमने और खरीदारी करने आई अधिकारी की पत्नी ने रविवार को पांच दोस्तों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांचों दोस्तों को हिरासत में ले लिया। उन्हें थाने में लाकर पूछताछ शुरू की। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दे दी है। औरैया में तैनात एक अधिकारी की पत्नी रविवार शाम बड़ा चौराहा स्थित मॉल घूमने पहुंची थीं। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि मॉल में थीं इस दौरान पांच दोस्तों में किसी एक ने कमेंट कर उनसे छेड़खानी की। घटना से गुस्साई अधिकारी की पत्नी ने शोर मचाकर सुरक्षा गार्डों से शिकायत करने की कोशिश की। शोर सुन मॉल में घूमने आए लोगों की भीड़ लग गई। महिला ने तुरंत पति को घटना की सूचना दी। मॉल पहुंची पुलिस पांचों युवकों को थाने ले आई। कोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टता जांच में सामने आया है कि सभी युवक औरैया के ही रहने वाले हैं। मॉल में लोगों में चर्चा थी कि सेल्फी के दौरान किसी युवक का हाथ महिला को लग गया। महिला ने तहरीर दी है। सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं।

चंद्रशेखर मौत प्रकरण की हो उच्चस्तरीय जांच

बस्ती। आर्य समाज नई बाजार बस्ती के साप्ताहिक सत्संग में वैदिक यज्ञ के पश्चात मथुरा में गो-सेवक चंद्रशेखर की दुर्घटना में हुई मृत्यु की उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। प्रधान ओम प्रकाश आर्य ने कहा कि मथुरा की पावन भूमि, जहां कभी श्रीकृष्ण ने गोचारण करते हुए गायों के प्रति प्रेम, संरक्षण और करुणा का संदेश दिया था, आज वहीं से एक ऐसी दर्दनाक खबर सामने आती हैं।

2026 तक प्रत्येक सोमवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु 05045/05046 लालकुआँ-राजकोट-लालकुआँ ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन लालकुआँ से 05 से 26 अप्रैल, 2026 तक प्रत्येक रविवार को तथा राजकोट से 06 से 27 अप्रैल, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05045 लालकुआँ-राजकोट ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 05 से 26 अप्रैल, 2026 तक प्रत्येक रविवार को लालकुआँ से 12.35 बजे प्रस्थान कर किच्छा से 13.00 बजे, बहेड़ी से 13.18 बजे, इज्जतनगर से 14.15 बजे, बरेली सिटी से 14.35 बजे, बरेली जं. से 14.50 बजे, बदायूँ से 15.35 बजे, उझानी से 15.48 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 16.20 बजे, कासगंज से 17.15 बजे, हाथरस सिटी से 18.15 बजे, मथुरा कैंट से 19.05 बजे, मथुरा जं. से 19.25 बजे, भरतपुर से 21.05 बजे, दौसा से 23.40 बजे, दूसरे दिन जयपुर से 00.45 बजे, फुलेरा से 01.52 बजे, नावा सिटी से 02.24 बजे, कुचामन सिटी से 02.40 बजे, मकराना से 02.56 बजे, डेगाना से 03.30 बजे, मेड़ता रोड से 04.07 बजे, गोटन से 04.27 बजे, जोधपुर से 05.50 बजे, लूनी से 06.25 बजे, समदड़ी से 07.30 बजे, मोकलसर से 07.56 बजे, जालोर से 08.23 बजे, मोदरान से 08.54 बजे, मारवाड़ भीनमाल से 09.20 बजे, रानीवाड़ा से 09.51 बजे, धनेरा से 10.42 बजे, भीलड़ी से 12.00 बजे, पाटन से 12.43 बजे, महेसाना से 13.30 बजे, विरमगाम से 14.33 बजे, सुरेन्द्रनगर से 15.49 बजे तथा वांकानेर से 16.45 बजे छूटकर राजकोट 18.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05046 राजकोट-लालकुआँ ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 06 से 27 अप्रैल, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को राजकोट से 22.30 बजे प्रस्थान कर वांकानेर से 23.10 बजे, दूसरे दिन सुरेन्द्रनगर से 00.20 बजे, विरमगाम से 01.37 बजे, महेसाना से 02.35 बजे, पाटन से 03.27 बजे, भीलड़ी से 04.35 बजे, धनेरा से 05.06 बजे, रानीवाड़ा से 05.38 बजे, मारवाड़ भीनमाल से 06.09 बजे, मोदरान से 06.33 बजे, जालोर से 07.05 बजे, मोकलसर से 07.50 बजे, समदड़ी से 08.17 बजे, लूनी से 09.00 बजे, जोधपुर से 09.50 बजे, गोटन से 10.52 बजे, मेड़ता रोड से 11.15 बजे, डेगाना से 12.00 बजे, मकराना से 12.33 बजे, कुचामन सिटी से 12.50 बजे, नावा सिटी से 13.05 बजे, फुलेरा से 15.02 बजे, जयपुर से 16.35 बजे, दौसा से 17.22 बजे, भरतपुर से 20.35 बजे, मथुरा जं. 22.45 बजे, मथुरा कैंट से 23.00 बजे, हाथरस सिटी से 23.33 बजे, तीसरे दिन कासगंज से 00.50 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 01.15 बजे, उझानी से 01.39 बजे, बदायूँ से 01.55 बजे, बरेली जं. 02.55 बजे, बरेली सिटी से 03.18 बजे, इज्जतनगर से 03.35 बजे, बहेड़ी से 04.17 बजे तथा किच्छा से 04.37 बजे छूटकर लालकुआँ 05.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, शयनयान श्रेणी के 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

2026 तक प्रत्येक शनिवार को 13 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु 05060/05059 लालकुआँ-कोलकाता-लालकुआँ वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन लालकुआँ से 02 अप्रैल से 25 जून, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा कोलकाता से 04 अप्रैल से 27 जून, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को 13 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05060 लालकुआँ-कोलकाता ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 02 अप्रैल से 25 जून, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को लालकुआँ से 13.35 बजे प्रस्थान कर किच्छा से 13.57 बजे, भोजीपुरा से 15.10 बजे, पीलीभीत से 16.00 बजे, पूरनपुर से 17.05 बजे, मैलानी से 18.30 बजे, गोला गोकर्णनाथ से 18.55 बजे, लखीमपुर से 19.42 बजे, सीतापुर से 21.35 बजे, गोंडा से 23.25 बजे, दूसरे दिन बस्ती से 00.55 बजे, गोरखपुर से 02.15 बजे, कप्तानगंज से 03.02 बजे, पडरौना से 04.02 बजे, थावे से 05.50 बजे, सीवान से 06.55 बजे, छपरा से 08.05 बजे, सोनपुर से 08.58 बजे, हाजीपुर से 09.15 बजे, मुजफ्फरपुर से 10.05 बजे, समस्तीपुर से 11.27 बजे, बरौनी से 13.35 बजे, किऊल से 15.07 बजे, झाझा से 16.45 बजे, जसीडीह से 17.52 बजे, मधुपुर से 18.17 बजे, चित्तरंजन से 19.10 बजे, आसनसोल से 19.47 बजे, दुगार्पुर से 20.19 बजे, बर्द्धमान से 21.33 बजे, बैण्डेल से 22.25 बजे तथा नैहाटी से 22.55 बजे छूटकर कोलकाता 23.55 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05059 कोलकाता-लालकुआँ ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 04 अप्रैल से 27 जून, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को कोलकता से 05.00 बजे प्रस्थान कर नैहाटी से 05.50 बजे, बैण्डेल से 06.17 बजे, बर्द्धमान से 07.35 बजे, दुगार्पुर से 08.38 बजे, आसनसोल से 09.13 बजे, चित्तरंजन से 09.38 बजे, मधुपुर से 10.37 बजे, जसीडीह से 11.25 बजे, झाझा से 13.45 बजे, किऊल से 14.20 बजे, बरौनी से 16.30 बजे, समस्तीपुर से 17.25 बजे, मुजफ्फरपुर से 18.35 बजे, हाजीपुर से 19.35 बजे, सोनपुर से 19.47 बजे, छपरा से 21.40 बजे, सीवान से 22.35 बजे, थावे से 23.20 बजे, दूसरे दिन पडरौना से 00.32 बजे, कप्तानगंज से 01.32 बजे, गोरखपुर से 02.45 बजे, बस्ती से 03.50 बजे, गोंडा से 05.10 बजे, सीतापुर से 07.35 बजे, लखीमपुर से 08.40 बजे, गोला गोकर्णनाथ से 09.12 बजे, मैलानी से 10.10 बजे, पूरनपुर से 10.54 बजे, पीलीभीत से 12.00 बजे, भोजीपुरा से 13.45 बजे तथा किच्छा से 14.35 बजे छूटकर लालकुआँ 15.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

दालमंडी में फिर शुरू हुआ ध्वस्तीकरण अभियान, भवनों को खाली करने के लिए कराई गई मुनादी

वाराणसी। दालमंडी चौड़ीकरण के लिए सोमवार को पीडब्ल्यूडी की ओर से भवनों को खाली करने के लिए अनाउंसमेंट किया गया। 27 मार्च से यहां ध्वस्तीकरण की कार्रवाई फिर से शुरू होगी। दालमंडी चौड़ीकरण के लिए ईद के बाद सोमवार से ध्वस्तीकरण अभियान शुरू हुआ। अब दालमंडी चौड़ीकरण योजना का काम आगे बढ़ेगा। पीडब्ल्यूडी की ओर से दालमंडी में चिह्नित दुकानों व मकानों को खाली करने के लिए मुनादी कराई गई। उधर, चौक थाने में खुले पीडब्ल्यू के कैंप कार्यालय में रजिस्ट्री कराने से पहले भवन स्वामी पूछताछ के लिए आ रहे हैं। पूरी गली में 186 भवनों को चिह्नित किया गया है। 40 से अधिक भवनों की रजिस्ट्री हो चुकी है। ध्वस्तीकरण पूरा होने के बाद सीवर और पेयजल लाइनों को दुरुस्त कराया जाएगा। वर्तमान में यहां नीचे गई पानी और सीवर की पाइपलाइन बदली जाएगी। जल निकासी के लिए नगर निगम पुराने ड्रेनेज सीवरेज सिस्टम पर निर्भर है। उसकी जगह नई ब्रांच लाइन बिछाई जाएगी। पुराने इलाकों में घर अधिक हैं जो अब कमर्शियल एक्टिविटी में तब्दील हो गए हैं। ये काशी के पक्के महाल यानी पुराने बनारस की गलियों में शुमार है।

संक्षिप्त खबरें

मूल्यांकन कार्य ने पकड़ी रफ्तार जांची गई 44,783 कॉपियां

बस्ती। जिले के चार केंद्रों पर यूपी बोर्ड की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य रफ्तार पकड़ लिया है। पचास प्रतिशत कम परीक्षकों की मौजूदगी में उत्तर पुस्तिकाओं की जांच तेजी से की जा रही है। रविवार को चारों केंद्रों पर कुल 44,783 कॉपियों की जांच की गई। इसमें हाईस्कूल 24,450 और इंटरमीडिएट की 20,333 कॉपियां शामिल हैं। परीक्षकों की संख्या सप्ताह भर बाद भी नहीं बढ़ पाई है। सभी केंद्रों पर 50 प्रतिशत के आसपास ही परीक्षक ड्यूटी पर मौजूद हैं। मगर इधर कापियों की जांच तेजी के साथ की जा रही है। हाईस्कूल में जीआरएस इंटर कॉलेज में 12,508 कॉपियां जांची गई है। यहां अभी तक कुल 39,068 कॉपियां जांची जा चुकी है। कुल 1,06,388 कॉपियां जांचने के लिए शेष बची हुई है। श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज में 11,942 कॉपियां जांची गई हैं। यहां अब तक कुल 37,362 कॉपियां जांची जा चुकी हैं। यहां शेष 1,05,918 कॉपियां जांचने के लिए बची हुई है। जीआईसी में इंटरमीडिएट की 8,616 कॉपियां जांची गई। यहां अब तक 26,058 कॉपियां जांची जा चुकी हैं। 81,274 कॉपियां जांचने के लिए शेष बची है। शिवहर्ष किसान इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट की 11,717 कॉपियां जांची गई। यहां अभी तक कुल 32,342 कॉपियां जांची जा चुकी हैं। 87,965 कॉपियां जांचने के लिए शेष बची हैं।

मानक विरुद्ध टोल वसूली रोकने के लिए सौंपा ज्ञापन

बस्ती। ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह के नेतृत्व में वाहन चालकों ने रविवार को समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव को ज्ञापन सौंपा। मांग की कि मानक-विरुद्ध टोल वसूली बंद कराया जाए। विधायक ने कहा कि उन्होंने इस समस्या को विधानसभा में उठाया था, उसके बाद अवैध वसूली बंद हुई थी। पुनः डीएम से मिलकर अवैध वसूली बंद कराया जाएगा। जरूरत पड़ी तो ट्रक एसोसिएशन से मिलकर लोकतांत्रिक ढंग से आंदोलन किया जाएगा। विधायक को ज्ञापन देने वालों में छोटू गुप्ता, अनुरोध सिंह, दीपक सिंह, आदित्य कुमार, अवधेश कुमार, मोतीराम चौधरी, सुमित चौधरी, हीरालाल चौधरी आदि शामिल रहे।

साइबर अपराध रोकने के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

भानपुर। साइबर अपराधों को रोकने के लिए सोनहा पुलिस ने ग्राम औडजंगल दुगार्पुर में ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा अभियान के तहत जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह के नेतृत्व में साइबर पुलिस टीम ने डिजिटल फ्रॉड और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में जरूरी सुझाव दिएये। पुलिस ने लोगों को अजान कॉल से सावधान रहने और अनजान व्यक्ति को अपना ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड), बैंक विवरण या पिन साझा न करने की सलाह दी। साथ ही किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करने या वेव साइट पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया।

संगम तट पर चार अप्रैल से लगेगा मेला

लालगंज। महर्षि उद्दालक मुनि के तपो भूमि और कुआनो पदी के संगम तट पर इस साल भी चार अप्रैल से मेला लगेगा। मेले का समापन 8 अप्रैल को होगा। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस संगम स्थल पर मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने अनुज लक्ष्मण और माता सीता के साथ लिट्टी चोखे का सेवन कर रात्रि विश्राम किया था। संगम में स्नान कर बाबा मोक्षेश्वर नाथ की पूजा-अर्चना की थी। चैत्र पूर्णिमा से एक दिन पहले चतुर्दशी शाम को संगम तट के चारों घाटों पर दूरदराज आए श्रद्धालु लिट्टी चोखे का सेवन कर सुबह स्नान दान करते हैं। इस मेले का आयोजन ग्राम पंचायत और व्यापार मंडल के सहयोग से किया जा रहा है। ग्राम पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता, वीरेंद्र कुमार बबलू ने बताया कि मेले की तैयारी पूर्ण हो चुकी हैं।

स्मैक के साथ मां और दो बेटे गिरफ्तार

बस्ती। कोतवाली पुलिस 113.06 ग्राम स्मैक के साथ मां और दो बेटों को रविवार को गिरफ्तार किया है। कोतवाल मोतीचंद ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के आनंद नगर कटरा की रहने वाली राजकुमारी देवी, उनके दो बेटों दीपक कुमार ओर शिवांश को गिरफ्तार कर उनके पास से 113.06 ग्राम स्मैक ओर 10 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, वहां से तीनों को जेल भेज दिया गया।

हत्या की कोशिश के तीन आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। मुंडेरवा ने हत्या की कोशिश के आरोप में रविवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में थाना क्षेत्र के कोहडवा निवाीस विनोद कुमार (45), प्रियांशु (19) और प्रिंस यादव (18) शामिल हैं। थानेदार प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि 19 मार्च को कोहडव गांव में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। आरोप है कि धारदार हथियार को भी इस्तेमाल किया गया। दोनों पक्ष के एक-एक लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों ने हत्या की कोशिश के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने एक पक्ष के चार तो दूसरे पक्ष के छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की थी।

विभिन्न मामले में वंछित 13 गिरफ्तार

वाल्टरगंज। थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गनेशपुर करौजी में रास्ते के विवाद की बात पर मारपीट के छह आरोपियों और दूसरे मामले में सात आरोपियों गिरफ्तार कर उप जिला मजिस्ट्रेट सदर के कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि बासदेव, इन्द्रावती, मनोज, विमला, जगराम, सावित्री, लक्ष्मी निवासी गनेशपुर करौजी, संगीता, शारदा मोहनी, संदीप, रतिपाल, शत्रुधन पुनिवासी गनेशपुर करौजी, कमलेश कुमार, राम उजागिर, राम सुमेरे निवासी भतरिन्हा थाना को गिरफ्तार किया है।

कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म के आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। दुबौलिया पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर गांव के ही दुष्कर्म के आरोपी पर रविवार को प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली पीड़िता के पिता ने शनिवार को पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि चार जनवरी 2026 को उनकी बेटी दोपहर करीब दो बजे सरयू नदी के पास लकड़ी बीनने गई थी। सूनसान जगह पाकर गांव का ही आरोपी अंशू ने पीछे से बेटी के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी।

80 लाख खर्च कर बनाए जा रहे प्लास्टिक कचरा निस्तारण के पांच केंद्र

बस्ती। जिले में प्लास्टिक कचरा के निस्तारण के लिए पांच और केंद्र का निर्माण शुरू हो चुका है। वर्तमान में 80 लाख से पांच कूड़ा निस्तारण केंद्र तैयार किए जा रहे हैं। इनमें सभी तरह का कूड़ा कचरा एकत्र होगा। इसके बाद इसमें से प्लास्टिक कचरे को अलग कर ब्लॉक स्तर पर बनने वाले प्लास्टिक निस्तारण केंद्रों में रीसाइकिल कर इससे सड़क बनाने की सामग्री बनाने का कार्य होगा।

सिद्धनाथ धाम का विकास, सौंदर्यीकरण अंतिम चरण में

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के साथ अल्पज्ञात पौराणिक धरोहरों को पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा राजधानी के सदर क्षेत्र स्थित राज्य संरक्षित स्मारक बड़ा शिवाला श्री सिद्धनाथ मंदिर का कायाकल्प किया जा रहा है, जो अब अंतिम चरण में है। एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली इस परियोजना का लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है ।लखौरी ईंटों, सुर्खी और चूने से निर्मित मंदिर अपनी विशिष्ट स्थापत्य शैली के लिए जाना जाता है। अष्टभुजाकार मंडप पर स्थित इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग के रूप में विराजमान बाबा सिद्धनाथ श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र हैं। यहां यात्री हॉल और यात्री निवास का निर्माण पूरा कर लिया गया है, श्रद्धालुओं के ठहरने और धार्मिक आयोजनों की सुविधा उपलब्ध होगी। मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर इंटरलॉकिंग कार्य किया गया है, जिससे आवागमन सुगम हुआ है। पुरुष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण भी लगभग समाप्ति कि ओर है।

सनातन नारी शक्ति सम्मान से 51 महिलाएं अलंकृत

ग्वालियर। रामभरोसे गिर्राज विंध्या सेवा एवं शिक्षा समिति ने दो वर्ष पूर्ण होने पर मासिक सुंदरकांड पाठ की श्रृंखला में 24 वां सुंदरकांड पाठ एवं कन्या पूजन कर सनातन नारी शक्ति सम्मान से 51 महिलाओं को सम्मानित किया। आयोजन सी सेक्टर दीनदयाल नगर गौरीधाम मंदिर पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी प्रजापति की बहन बी.के.ज्योति दीदी, विशिष्ट अतिथि बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बहन बीके ज्योति दीदी ने श्रोताओं को श्री राम जी की तरह मर्यादा में रहना और हनुमान जी तरह भक्ति का संकल्प दिलाया और बताया कि धर्म की राह पर चलना कठिन है। पर जो धर्म की ध्वजा पताका लहराते हैं वह समाज को एक नई दिशा दिखाते हैं। वहीं डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी ने कन्या पूजन कर समिति को सफल आयोजन की बधाई दी। समिति के अध्यक्ष गिर्राज शर्मा ने बताया कि श्री राम जी की कृपा से मासिक सुंदरकांड पाठ की श्रृंखला इसी तरह चलती रहेगी।

धूल और गड्ढों से त्रस्त राहगीरों को राहत की उम्मीद, अब बदलेगी तस्वीर

स्मार्ट सिटी के तहत सचिन तेंदुलकर मार्ग की सड़क का 7.13 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

■ ग्वालियर

बारिश के बाद से ही बहुप्रतीक्षित सचिन तेंदुलकर मार्ग की हालत सबसे ज्यादा खराब हो गई थी। जगह-जगह गड्ढे और उखड़ी सतह के कारण लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता था। हालात ऐसे थे कि यहां से गुजरने पर धूल के गुबार उड़ते थे, जिससे आसपास के रहवासी भी प्रभावित होते थे। अब इस सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

इस बहुप्रतीक्षित सचिन तेंदुलकर मार्ग के उन्नयन कार्य का रविवार को भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद भारत सिंह कुशवाह ने भूमि पूजन कर कार्य की औपचारिक शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहर में बड़े-बड़े विकास कार्य लगातार मूर्त रूप ले रहे हैं और इस क्रम को किसी भी स्थिति में थमने नहीं दिया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, सभापति मनोज तोमर, उपसभापति गिर्राज कंषाना, पार्षद केदार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

डिवाइडर के दोनों ओर 9-9 मीटर चौड़ी सड़क

स्मार्ट सिटी परियोजना के अधीक्षण यंत्री सुबोध खरे ने बताया कि इस सड़क का निर्माण 7 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। कुल 2460 मीटर लंबाई में बनने वाली इस सड़क के दोनों ओर 9-9 मीटर चौड़ाई रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए विशेष रूप से ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाएगा। इसके तहत पाइपलाइन के माध्यम से पानी की निकासी चाणक्यपुरी नाला और मुरार नदी तक सुनिश्चित की जाएगी।

जलभराव वाले क्षेत्र में सीमेंट कंक्रीट का उपयोग

परियोजना के अंतर्गत जलभराव वाले लगभग 230 मीटर क्षेत्र में सीमेंट कंक्रीट सड़क बनाई जाएगी, जबकि शेष हिस्से में डामरीकरण किया जाएगा। निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर स्मार्ट सिटी द्वारा लगातार निगरानी रखी जाएगी और इसे निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शहर और ग्रामीण क्षेत्र को जोड़ेगी महत्वपूर्ण सड़क

सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे शहर में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। सचिन तेंदुलकर मार्ग का उन्नयन इसी दिशा में एक अहम कदम है। यह सड़क शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ती है, जिससे बड़ी आबादी को सीधे लाभ मिलेगा।

21 लाख की सीसी रोड का भूमिपूजन

मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 38 स्थित कांता एन्क्लेव में काला सैयद से बिजली घर रोड तक बनने वाली सीसी रोड का भूमिपूजन किया। लगभग 21 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस सड़क का शुभारंभ क्षेत्र की कन्याओं द्वारा विधि-विधान से किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सुगम व सुरक्षित होगी तथा नागरिकों को आवागमन में राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार आधारभूत संरचना के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।

शिला पट्टिका से नाम गायब, पार्षद ने जताई आपत्ति

भूमिपूजन कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही शिला पट्टिका को लेकर विवाद खड़ा हो गया। वार्ड 29 के पार्षद जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि पट्टिका पर उनका नाम नहीं है। पट्टिका पर सांसद, विधायक, महापौर और सभापति के नाम अंकित थे, लेकिन स्थानीय पार्षद का नाम न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। इस पर उन्होंने मौके पर मौजूद स्मार्ट सिटी कारपोरेशन के अधीक्षण यंत्री सुबोध खरे से आपत्ति दर्ज कराई। अधीक्षण यंत्री ने सफाई देते हुए कहा कि निर्धारित प्रारूप के अनुसार जिन नामों की सूची प्राप्त हुई थी, उन्हीं को शिला पट्टिका पर अंकित किया गया है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि पार्षद को आपत्ति है तो पट्टिका बदलवाकर उनका नाम भी जोड़ा जाएगा। घटना को लेकर कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए असहज स्थिति बनी रही।

दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी शहीद भगत सिंह मण्डल में प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम अंतर्गत दो दिवसीय पं. दीनदयाल प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हुआ। शिविर का उद्घाटन संभागीय संगठन प्रभारी डॉ. निशांत खरे एवं महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने किया। प्रारम्भिक सत्र के विषय वैचारिक अधिष्ठान पर डॉ. निशांत खरे ने अपना वक्तव्य रखा। तत्पपश्चात सांसद भारत सिंह कुशवाह ने अन्तोदय से संतृप्ति विषय पर मोदी सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओ पर व्याख्यान दिया। शिविर के द्वितीय दिवस सुबह 5:30 बजे जागरण, योग प्रार्थना उपरान्त प्रथम भाजपा के इतिहास एवं विकास पर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने ने बताया कैसे जनसंघ से जनता पार्टी और फिर भाजपा की नींव पड़ी। भाजपा की कार्य पद्धति पर मीना सचान, बूथ प्रबंधन पर कार्यक्रम संयोजक विनय जैन ,प्रदेश सरकार की योजनाओ पर समीक्षा गुप्ता, सोशल मीडिया पर राघवेंद्र कुशवाह ने और अंतिम सत्र में कार्य विस्तार विषय पर विवेक जोशी ने व्याख्यान दिया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

शिक्षा की शक्ति से आता है समाज में बदलाव

ग्वालियर। ईसीएस बैगलेस स्कूल के नए आधुनिक भवन का लोकार्पण रविवार को सुरेश नगर थाटीपुर में मुख्य अतिथि हॉकी इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर रामू भैया ने किया। अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी मदन चन्द्र पवैया ने की। रामू भैया ने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जो समाज को बदल सकती है। ईसीएस बैगलेस स्कूल अपने आप में ही एक माइलस्टोन है। इस नई आधुनिक ब्रांच के खुलने से शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। स्कूल के संचालक भूषण पवैया एवं प्रबंधक प्रांजल पवैया ने स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन, संजय चौपड़ा, देवेन्द्र पवैया, दिनेश दीक्षित, पारस सर्राफ, भारत पवैया, भूषण पवैया, दिलीप वाकड़े, सुरेश तिवारी, आकाश शर्मा आदि मौजूद थे।

विधायक ने किया सीसी सड़क का लोकार्पण

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 60 शिव नगर में नवनिर्मित सड़क का विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने क्षेत्रीय पार्षद केदार बरहादिया एवं क्षेत्रीय जनता के साथ लोकार्पण किया। इस मौके पर क्षेत्रीय जनता ने विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं अन्य अतिथियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद विधायक डॉ. सिकरवार ने क्षेत्र का भ्रमण कर क्षेत्रीय नागरिकों की परेशानियां सुनी और संबंधित अधिकारियों को

स्कूल के विद्यार्थियों के असफल खाते अब तक अपडेट नहीं

छात्रवृत्ति नहीं पहुंची

■ ग्वालियर

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को जो छात्रवृत्ति दी जाती है, उनमें कई सारे विद्यार्थियों के खाते अपडेट नहीं हुए और उन्हें छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई, इसके चलते अब विद्यार्थी परेशान हैं, जिला शिक्षा अधिकारी ने इसको लेकर संकुल प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि इन खातों को जल्द ही अपडेट कर दिया जाए। खाते अपडेट न होने की स्थिति में कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने छात्रवृत्ति को प्राथमिकता में रखा था, जिसके चलते साल भर इसकी निगरानी भी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद कुछ खाते अपेडट नहीं किए गए और विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई।

जिले में अब तक 3436 ऐसे विद्यार्थियों के खाते थे, जिन्हें छात्रवृत्ति नहीं मिली थी, वजह यह थी कि इनके खाते अपडेट नहीं किए गए थे। इनमें से 1783 बैंक खाते अब अपडेट किए गए हैं, जबकि 1653 खातों का अपडेशन अभी बाकी है। मैपिंग के बाद प्रोफाइल अपडेशन नहीं हुआ : इसके अलावा 18820 विद्यार्थियों की मैपिंग अब तक हो चुकी है, लेकिन इनकी प्रोफाइल अपडेट अभी तक नहीं हुई है। ऐसे विद्यार्थियों के खाते डाकघर में खुलवाने के लिए कहा गया है।

इनका कहना है

असफल हुए खातों के अपडेशन का काम चल रहा है। इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

हरिओम चतुर्वेदी
जिला शिक्षा अधिकारी, ग्वालियर

ई-टोकन प्रणाली से मिलेगी खाद किसानों को लाइन से राहत

■ ग्वालियर

जिले के किसानों के लिए खाद वितरण की व्यवस्था अब पूरी तरह डिजिटल होती जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा लागू ई-विकास प्रणाली के तहत ग्वालियर जिले में भी ई-टोकन प्रणाली से रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने किसानों से इस सुविधा का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर पंजीयन कराने की अपील की है।

ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन प्रक्रिया बेहद सरल रखी गई है। किसान अपने आधार नंबर के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं, जिसके बाद मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के सत्यापन से प्रक्रिया पूरी हो जाती है। पंजीयन के बाद किसान ई-टोकन प्राप्त कर निर्धारित समय पर खाद ले सकते हैं। पोर्टल पर किसानों की भूमि संबंधी जानकारी भी स्वतः उपलब्ध रहती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि ई-टोकन प्रणाली के तहत खाद वितरण को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और किसानों को इसके लिए जागरूक किया जाए।

इस नई व्यवस्था से किसानों को लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही बिचौलियों की भूमिका पर रोक लगेगी और कालाबाजारी पर भी नियंत्रण संभव होगा। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास रणवीर सिंह जाटव ने बताया कि ई-टोकन में किसान का नाम, उर्वरक का प्रकार, मात्रा, वितरण केंद्र और समय की जानकारी दर्ज होती है, जिससे किसान निर्धारित समय पर आसानी से खाद प्राप्त कर पा रहे हैं।

जीआरपी की सतर्कता से गुमशुदा बालिका स्टेशन से बरामद

अमरावती से लापता हुई थी नाबालिग

■ ग्वालियर

रेलवे स्टेशन पर चल रही सघन चेकिंग के दौरान जीआरपी ग्वालियर बीजी ने एक गुमशुदा बालिका को बरामद करने में सफलता हासिल की है। बालिका महाराष्ट्र के अमरावती जिले से लापता हुई थी, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज थी।

पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतू डाबर एवं उप पुलिस अधीक्षक राम स्नेही चौहान के मार्गदर्शन में जीआरपी द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक बालिका संदिग्ध अवस्था में बैठी मिली। पूछताछ में बालिका ने अपना नाम समृद्धि इगडे निवासी बडोना रामनाथ, थाना मगरूचावड़ा जिला अमरावती (महाराष्ट्र) बताया। पुलिस ने तत्काल उसे थाने लाकर परिजनों से संपर्क किया। पिता अनिल इगडे ने पुष्टि की कि बालिका बिना बताए घर से चली गई थी और उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना मगरूचावड़ा में दर्ज कराई गई है। संबंधित थाने से संपर्क करने पर जानकारी मिली कि मामले में अपराध क्रमांक 4/26 धारा 137 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज है। जीआरपी की तत्परता के चलते बालिका को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक दीपशिखा सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक मनोज सिंह, पदम सिंह, आरक्षक अमर सिंह, नमन कुमार, नरेश सिंह एवं महिला आरक्षक रुचि दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ऑप्टोमेट्रिस्ट बने आधुनिक चिकित्सा के मजबूत स्तंभ

■ ग्वालियर

आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां ऑप्टोमेट्रिस्ट अब केवल दृष्टि सुधार तक सीमित न रहकर समग्र चिकित्सा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। नेत्र परीक्षण के जरिए वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, ऑटोइम्यून और न्यूरोलॉजिकल बीमारियों की प्रारंभिक पहचान कर मरीजों को समय पर उपचार दिलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार कॉन्टैक्ट लेंस तकनीक और ऑप्टोमेट्री सेवाओं में हुए सुधार से मरीजों को सुरक्षित व कस्टमाइज्ड उपचार मिल रहा है। सत्य प्रकाश शर्मा ने इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव बताया। वहीं डॉ. नलिन ने रतन ज्योति नेत्रालय में रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी सेवाओं को नवजातों के लिए उपयोगी बताया। मीनू भार्गव ने बाल नेत्र चिकित्सा में ऑप्टोमेट्रिस्ट की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया, जबकि अखिल जैन ने ऑपरेशन थिएटर में उनकी तकनीकी भागीदारी को रेखांकित किया। आशीष तोमर, शिवकांत उपाध्याय और अरुण प्रताप ने ग्लूकोमा जांच, सर्जरी तैयारी और वृद्धावस्था समस्याओं में उनकी उपयोगिता बताई। लो विजन, ड्राई आई और डायबिटिक जांच में ऑप्टोमेट्रिस्ट सुरेश पांडेय, दीपक और शैलेन्द्र की भूमिका भी सराहनीय रही। डॉ. प्रियंवदा भसीन और डॉ. पुरेन्द्र भसीन ने इन्हें स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बताया।

मरेनगो एशिया हॉस्पिटल्स की ओपीडी शुरू

■ ग्वालियर

मरेनगो एशिया हॉस्पिटल्स, गुरुग्राम द्वारा ग्वालियर में हेमेटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) की समर्पित मासिक ओपीडी शुरू करने की घोषणा की गई है। इस पहल से ग्वालियर सहित मध्य प्रदेश के मरीजों को उन्नत उपचार सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

पड़ाव स्थित स्व. प्रवीणा पांडेय मेमोरियल आईकॉम मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में अस्पताल के मार्केटिंग हेड संदीप गोदियाल ने बताया कि इस ओपीडी के शुरू होने से मरीजों को अब विशेषज्ञ इलाज के लिए मेट्रो शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी, जिससे समय पर निदान और उपचार संभव होगा। यह ओपीडी ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मल्टीपल मायलोमा, एप्लास्टिक एनीमिया और थैलेसेमिया जैसी जटिल बीमारियों के लिए विशेषज्ञ परामर्श और उपचार योजना उपलब्ध कराएगी। ओपीडी का संचालन मरेनगो एशिया हॉस्पिटल्स, गुरुग्राम की विशेषज्ञ टीम करेगी, जिसमें डॉ. मीत कुमार (निदेशक एवं प्रमुख, बोन मैरो ट्रांसप्लांट) और डॉ. नीरज तेवतिया (सीनियर कंसल्टेंट, बीएमटी एवं हेमेटोलॉजी) शामिल हैं।

प्रतिभागियों को मंच पर बोलने का अभ्यास कराया

युवाओं के व्यक्तित्व विकास पर जोर

■ ग्वालियर

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं संचार कौशल को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पब्लिक स्पीकिंग मास्टरक्लास का आयोजन ग्रैब स्पेस कोवर्किंग में किया गया। कार्यक्रम में जेसीआई इंडिया के नेशनल ट्रेनर अनुपम तिवारी मास्टर ट्रेनर के रूप में उपस्थित रहे। अनुपम तिवारी ने युवाओं को प्रभावी संवाद कला, आत्मविश्वास बढ़ाने की तकनीक, स्टेज फियर को दूर करने के उपाय तथा पब्लिक स्पीकिंग के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। इंटरैक्टिव सेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को मंच पर बोलने का अभ्यास भी कराया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और प्रस्तुतीकरण क्षमता का विकास हुआ।

संस्था के जयेश श्रीवास्तव ने बताया कि युवाओं को आवश्यक स्किल्स प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना संस्था का उद्देश्य है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का संयोजन अर्पित शर्मा एवं लावण्या शर्मा ने किया, जबकि आभार संस्था संस्थापक आकाश बरूआ ने व्यक्त किया। इस अवसर पर बबली कुशवाह, हर्षिता यादव, अभय सिकरवार, शुभम मलिक, विकास राठौड़, अग्रिमा तोमर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रोटरी मिशन में सेवा देने वाले चिकित्सकों का सम्मान

■ ग्वालियर

स्व. माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन रोटरी रीजनल मेडिकल शिवपुरी एवं मध्य प्रदेश शासन के द्वारा वृहद स्तर का स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। जिसमें पूरे देश के लगभग साढे चार सौ चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह कैंप 17 मार्च से शुरू हुआ और 24 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर रविवार को चिकित्सकों का सम्मान किया गया। सम्मान करने वालों में मुख्य रूप से माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन के सचिव पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व मंत्री ओपीएस भदौरिया, कोलारस विधायक महेंद्र यादव, जिलाधीश शिवपुरी रविंद्र चौधरी, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन शिवपुरी के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, सचिव प्रदीप पाराशर एवं पूर्व सरपंच सुरेंद्र शर्मा आदि शामिल रहे।

अग्नि सुरक्षा के लिए नवाचार

तीन दिवसीय मेला 29 मार्च से

■ ग्वालियर

गर्मी के मौसम में बढ़ती अग्नि दुर्घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने जागरूकता बढ़ाने के लिए अभिनव पहल की है। जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देशन में 29, 30 और 31 मार्च को ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में तीन दिवसीय अग्नि सुरक्षा मेले का आयोजन किया जाएगा।

रविवार को आयोजित बैठक में जिलाधीश ने अधिकारियों के साथ मेले की रूपरेखा को अंतिम रूप देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधीश ने स्पष्ट किया कि यह मेला शासकीय न होकर जनसहभागिता से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम होगा। 24 मार्च को समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बैठक कर सुझाव और सहयोग लिया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य नागरिकों को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी देना है। मेले में ग्वालियर सहित अन्य शहरों से अग्नि सुरक्षा उपकरण विक्रेता और विशेषज्ञ भाग लेंगे। यहां उपकरणों का प्रदर्शन, डेमो और विक्रय की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नागरिकों को आग लगने की स्थिति में बचाव के व्यावहारिक तरीके भी बताए जाएंगे। स्टॉल लगाने के इच्छुक विक्रेता नगर निगम के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही होमगार्ड के प्रशिक्षित वॉलेंटियर्स को भी मेले से जोड़ा जाएगा।

सम्पादकीय

कायर कौन हैं नाटो देश या खाड़ी देश?

कायर कौन? नाटो देश! जो युद्ध को रोकना चाहते हैं। हार्मुज स्ट्रेट पर हमला करके उसे और ज्यादा भड़काने से बचना चाहते हैं? या खाड़ी देश? जिन्होंने डर के मारे अपनी जमीन अमेरिका के सैन्य अड्डों के लिए दे रखी है। जो ईरान में मासूम बच्चों, वहां के नेताओं की टारगेट कीलिंग, गैस तेल क्षेत्रों पर हमले पर एक शब्द नहीं बोल पा रहे हैं? ट्रंप फ्रस्टेशन में नाटो देशों को कायर कह रहे हैं मगर दुनिया अरब देशों को कायर बता रही है। जो गजा में इजराइल द्वारा किए नरसंहार के खिलाफ खड़े नहीं हो सके। और अब ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान के ही खिलाफ खड़े हो गए। ईरान की गलती क्या है? ऐसे ही इराक रासायनिक हथियार बना रहा है कहकर अमेरिका ने उस पर हमला किया था और वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी। ईरान में भी वहां के टाप सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत तमाम बड़े लीडर मार दिए और अब पूरी तरह तबाह करने की धमकी दे रहा है। कौन है वह? दुनिया का थानेदार? किसने बनाया? स्वघोषित! अमेरिका और इजराइल की भाषा क्या है? मार डालेंगे, तबाह कर देंगे, कुछ नहीं बचेगा! यह दुनिया के सबसे पुराना लोकतंत्र की भाषा है? या गुंडों बदमाशों की! अरब देश इस्लामिक कंट्री के नाम पर संगठन बनाते हैं। लेकिन इस्लाम के सबसे पवित्र महीने रमजान में एक इस्लामिक देश पर हुए हमलों का समर्थन करते हैं? फिर वही सवाल कि आखिर हमला क्यों? जब संयुक्त राष्ट्र सहित अन्तरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) सब ईरान से बात कर रहे थे। वहां जाकर जांच हो रही थी। वहां के सुप्रीम लीडर ने परमाणु बम को मानवता के खिलाफ बताते हुए उसे बनाने से इनकार किया था फिर अचानक हमला करने और वह भी स्कूल पर जहां दो सौ के करीब बच्चियां मारी गईं का क्या मतलब? इजराइल को सफाई देना पड़ रही है कि हमने अमेरिका को युद्ध में नहीं फंसाया। अमेरिका निकलने का रास्ता ढूंढ रहा है। लेकिन यह सब तो बाद में हुआ। ईरान के मजबूती से लड़ने के बाद। खासतौर से वहां की अवाम के पूरी हिम्मत से घरों से निकलकर सड़कों पर आ जाने के बाद। ईरान में बंकर नहीं हैं। जैसे इजराइल ने बना रखे हैं। सायरन बजता है सब बंकरों में चले जाते हैं। इरान में बम गिरते हैं लोग सड़कों पर आ जाते हैं। यह जो जज्बा है उसने ही पूरी दुनिया में खासतौर से अमेरिका में हलचल मचा दी। वियतनाम में यही हुआ था। अमेरिका वहां की बहादुर जनता से नहीं लड़ पाया और वापस हो गया। ट्रंप को यहां भी युद्ध खत्म करने की बात कहना पड़ रही है। वियतनाम में अमेरिका ने 1965 में हमला किया था। करीब 60 हजार सैनिक उसके मारे गए थे। जनता का भरोसा अपनी सरकार से उठ गया था। बड़े गहरे राजनीतिक और सामाजिक असर पड़े थे। अमेरिका की मीडिया और जनता ने साफ तौर कहा कि सरकार ने उन्हें गुमराह किया। जीत रहे हैं कि झूठे दावे किए गए। और सबसे बड़ा परिणाम यह हुआ था कि प्रेसिडेन्ट निक्सन को इस्तीफा देना पड़ा था। ट्रंप को सब याद आ गया है। अमेरिका में फिर उसके सैनिकों के ताबूत लौटने लगे हैं। वियतनाम युद्ध में भी ऐसी ही शुरूआत हुई थी। अमेरिका की जनता किसी दूसरे के युद्ध में अपने सैनिकों को खोना क्यों पसंद करेगी? ईरान से अमेरिका को कोई खतरा नहीं था। वहां के राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी केन्द्र (एनसीटीसी) के निदेशक जो केंट ने अभी यही कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा नहीं था। हम यह युद्ध इजराइल के लिए लड़ रहे हैं। पूरे अमेरिका में यह माहौल बन रहा है। दुनिया में तो है ही। मगर अरब देशों के शासकों की समझ में नहीं आ रहा है। वे आंख बंद करके अमेरिका और इजराइल का साथ दे रहे हैं। लेकिन क्या वहां की जनता भी अमेरिका और इजराइल के साथ है? सबसे बड़ा सवाल यही है। राजशाही के कारण वहां की अवाम की कोई बात दुनिया के सामने नहीं आ पाती है। मीडिया पर पूरा कंट्रोल है। लेकिन जनता की आवाज कभी भी किसी भी समय दबाई नहीं जा सकी है। खबरें आती है कि वहां जब ईरान की मिसाइलें गिर रही हैं और नुकसान हो रहा है तो लोग पूछते हैं कि इजराइल का साथ देने की हमारी क्या मजबूरी है? अगर अमेरिका हमें बचा ही नहीं पा रहा तो उसे हमारी जमीन पर सैनिक अड्डे बनाने की छूट क्यों दी गई थी? और असली सवाल कि हमारा ईरान की अवाम से क्या झगड़ा है? जो हम वहां के स्कूल की बच्चियों को मार रहे हैं, दूसरे शहरियों को मार रहे हैं। गजा में भी इसी इजराइल ने किया मासूम बच्चों को मारा। और अब हमारी जमीन से वहां मिसाइलें और ड्रोन भेजकर मार रहे हैं। क्यों? इस क्यों का जवाब अमेरिका और इजराइल नहीं देंगे। अरब देश के शासकों को देना होगा। शासन ईरान में राजशाही का था। अंतिम पहलवी वंश का। आज उनके वारिस अमेरिका में शरणार्थी बनकर रह रहे हैं। ईरान में सत्ता का पेटर्न बदल सकता है तो अरब देशों में क्यों नहीं? डर कर जीने से कुछ नहीं होगा। ईरान ने बता दिया कि वह डरता नहीं है। दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों अमेरिका इजराइल के सामने अकेला डटा हुआ है।

शोला घास भूमि की अनकही कहानी

जहां बात होती है प्रकृति और पारिस्थिकी तंत्र की तो शोला का पारिस्थितिक तंत्र अत्यंत विशिष्ट है क्योंकि यह न तो पूरी तरह जंगल हैं, और न ही केवल घास के मैदान हैं बल्कि दोनों का एक अद्भुत संगम हैं। दक्षिण भारत की खूबसूरती देखते बनती है हर तरफ हरियाली और प्रकृति का एक अद्भुत संगम देखने को मिलता है साथ ही ऐसा प्रतीत होता है जैसे मानो पहाड़ों पर बादल टिक कर बैठे हो और वहीं कहीं शांत और रहस्यमयी रूप में बसी हैं शोला घास भूमियां। यह एक ऐसी प्राकृतिक धरोहर है जो धीरे-धीरे हमारी आंखों के सामने से ओझल होती जा रही है। अगर बात करे शोला शब्द की तो यह तमिल भाषा के सोलै से बना है, जिसका अर्थ है उष्णकटिबंधीय वर्षावन। ये वन मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र की ऊंची पहाड़ियों में पाए जाते हैं, जहां इनकी ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 1500 मीटर या उससे अधिक होती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, शोला घास भूमियां लगभग 20,000 वर्ष पुरानी हैं जिसका अर्थ यह है की शायद ये घास भूमियां मानव सभ्यता के आरंभ से बहुत पहले से पृथ्वी पर मौजूद हैं। जहां बात होती है प्रकृति और पारिस्थिकी तंत्र की तो शोला का पारिस्थितिक तंत्र अत्यंत विशिष्ट है क्योंकि यह न तो पूरी तरह जंगल हैं, और न ही केवल घास के मैदान हैं बल्कि दोनों का एक अद्भुत संगम हैं। यहां छोटे-छोटे, सघन और सदा-हरित पेड़ों के बीच लहराती हरी घासें होती हैं जो की पहाड़ियों को एक जीवंत चरित्र प्रदान करती हैं। इनकी मिट्टी में पानी को सोखने और लंबे समय तक सहेज कर रखने की अद्भुत क्षमता होती है, यही कारण है कि इन्हें ह्लकृति के वॉटर टॉवर भी कहा जाता है। बरसात के बाद जब यह मिट्टी धीरे-धीरे पानी छोड़ती है, तो नीचे मौजूद घाटियों में झरने और नदियाँ बनती हैं। दक्षिण भारत की कई प्रमुख नदियां जैसे कावेरी, पेरियार और वैगई इन्हीं वनों से जन्म लेती हैं। जब तक शोला वन स्वस्थ रहे, तब तक ये नदियां सालभर बहती रहीं। पर अब, जब इन वनों का तेजी से विनाश हो रहा है, तो कई इलाकों में गर्मियों में सूखे की स्थिति तक बनने लगी है। यह केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट की और भी संकेत करता है। शोला घास भूमियां जैव विविधता की दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध हैं। यहां की नमी और स्थिर जलवायु अनेक दुर्लभ प्रजातियों के लिए एक उपयुक्त आवास बनाती है। नीलगिरि तहर और नीलगिरि लंगूर जैसे जीव केवल यहीं पाए जाते हैं। लेकिन यह जैविक समृद्धि अब संकट में है। पिछले सौ वर्षों में शोला घास भूमियों का क्षेत्रफल लगभग साठ से सत्तर प्रतिशत तक घट गया है। विदेशी पौधों जैसे यूकेलिप्टस और वॉटल के बागानों ने इनकी जगह ले ली है, जिससे मिट्टी की संरचना बदल गई और देशी प्रजातियां नष्ट होने लगीं हैं। इसके साथ ही, अनियंत्रित पर्यटन, सड़क निर्माण और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और भी भीषण कर दिया है। शोला के पौधे खुले में नहीं बल्कि छांव में पनपते हैं। जब उनका मूल आवास नष्ट हो जाता है, तो उन्हें फिर से स्थापित करना लगभग असंभव हो जाता है। इसीलिए इन वनों की पुनर्स्थापना एक बड़ी चुनौती है। यदि इन्हें संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में दक्षिण भारत के जल स्रोतों पर गहरा असर पड़ सकता है। शोला घास भूमियां केवल पर्यावरणीय दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानव जीवन से भी गहराई से जुड़ी हैं। अब समय है कि इन वनों को बचाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएँ। देशी पौधों की पुनर्स्थापना, अनियंत्रित पर्यटन पर नियंत्रण, और स्थानीय समुदायों को संरक्षण में शामिल करना इसके लिए आवश्यक है। हम सब मिलकर काम करें, तो इन वनों को फिर से जीवंत किया जा सकता है। यदि हम ऐसा करने में असक्षम रहे तो यह विरासत शायद केवल तस्वीरों और कहानियों में रह जाएगी। इन्हे बचाना केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन की संभावना को बचाए रखना है।

ये वन मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र की ऊंची पहाड़ियों में पाए जाते हैं, जहां इनकी ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 1500 मीटर या उससे अधिक होती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, शोला घास भूमियां लगभग 20,000 वर्ष पुरानी हैं जिसका अर्थ यह है की शायद ये घास भूमियां मानव सभ्यता के आरंभ से बहुत पहले से पृथ्वी पर मौजूद हैं। जहां बात होती है प्रकृति और पारिस्थिकी तंत्र की तो शोला का पारिस्थितिक तंत्र अत्यंत विशिष्ट है क्योंकि यह न तो पूरी तरह जंगल हैं, और न ही केवल घास के मैदान हैं बल्कि दोनों का एक अद्भुत संगम हैं। यहां छोटे-छोटे, सघन और सदा-हरित पेड़ों के बीच लहराती हरी घासें होती हैं जो की पहाड़ियों को एक जीवंत चरित्र प्रदान करती हैं। इनकी मिट्टी में पानी को सोखने और लंबे समय तक सहेज कर रखने की अद्भुत क्षमता होती है, यही कारण है कि इन्हें ह्लकृति के वॉटर टॉवर भी कहा जाता है। बरसात के बाद जब यह मिट्टी धीरे-धीरे पानी छोड़ती है, तो नीचे मौजूद घाटियों में झरने और नदियाँ बनती हैं। दक्षिण भारत की कई प्रमुख नदियां जैसे कावेरी, पेरियार और वैगई इन्हीं वनों से जन्म लेती हैं। जब तक शोला वन स्वस्थ रहे, तब तक ये नदियां सालभर बहती रहीं। पर अब, जब इन वनों का तेजी से विनाश हो रहा है, तो कई इलाकों में गर्मियों में सूखे की स्थिति तक बनने लगी है। यह केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट की और भी संकेत करता है। शोला घास भूमियां जैव विविधता की दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध हैं। यहां की नमी और स्थिर जलवायु अनेक दुर्लभ प्रजातियों के लिए एक उपयुक्त आवास बनाती है। नीलगिरि तहर और नीलगिरि लंगूर जैसे जीव केवल यहीं पाए जाते हैं। लेकिन यह जैविक समृद्धि अब संकट में है। पिछले सौ वर्षों में शोला घास भूमियों का क्षेत्रफल लगभग साठ से सत्तर प्रतिशत तक घट गया है। विदेशी पौधों जैसे यूकेलिप्टस और वॉटल के बागानों ने इनकी जगह ले ली है, जिससे मिट्टी की संरचना बदल गई और देशी प्रजातियां नष्ट होने लगीं हैं। इसके साथ ही, अनियंत्रित पर्यटन, सड़क निर्माण और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और भी भीषण कर दिया है। शोला के पौधे खुले में नहीं बल्कि छांव में पनपते हैं। जब उनका मूल आवास नष्ट हो जाता है, तो उन्हें फिर से स्थापित करना लगभग असंभव हो जाता है। इसीलिए इन वनों की पुनर्स्थापना एक बड़ी चुनौती है। यदि इन्हें संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में दक्षिण भारत के जल स्रोतों पर गहरा असर पड़ सकता है। शोला घास भूमियां केवल पर्यावरणीय दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानव जीवन से भी गहराई से जुड़ी हैं। अब समय है कि इन वनों को बचाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएँ। देशी पौधों की पुनर्स्थापना, अनियंत्रित पर्यटन पर नियंत्रण, और स्थानीय समुदायों को संरक्षण में शामिल करना इसके लिए आवश्यक है।

ड्रिफ्ट से डिलीवरी तक, राजस्थान में भजन लाल शर्मा का 2 वर्षीय रिपोर्ट कार्ड

शहजाद पूनावाला

राजस्थान सरकार के शासन की जितनी गहराई से जांच की जाए, कांग्रेस प्रशासन को सत्ता से हटाए जाने के 2 वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद, उतना ही स्पष्ट होता है कि अशोक गहलोत का 5 वर्षीय शासन (2018-2023) राज्य के लिए व्यर्थ का दौर साबित हुआ। पार्टी के अंदरूनी विवाद, खासकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच, अक्सर गहलोत को अपनी कुर्सी बचाने में उलझाए रखते थे, न कि प्रभावी शासन में। अंततरू 2023 के चुनावों में मतदाताओं ने उनकी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। वर्तमान भाजपा सरकार ने गहलोत सरकार की इन गलतियों से सबक लिया प्रतीत होता है। पिछले 2 वर्षों में राजस्थान एक शांत, अधिक स्थिर और ठोस शासन का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें परियोजनाओं के क्रियान्वयन और डिलीवरी की तेज गति पर ध्यान दिया गया है। पानी-सभ्यतागत प्राथमिकता का समाधान रू एक ऐसे राज्य में, जहां पानी की कमी ने इतिहास और आदत दोनों को आकार दिया है, जल प्रबंधन सिर्फ नीति का विषय नहीं, बल्कि सभ्यतागत ड्ढषचता है। राम जल सेतु ड्ढलक जैसी बड़ी परियोजनाओं की ओर कदम, जिसमें 26,000 करोड़ रुपए के कार्य आदेश जारी किए गए हैं, साथ ही यमुना जल के उपयोग के प्रयास (एम.ओ.यू. कार्य प्रगति पर), पैचवर्क समाधान की बजाय दीर्घकालिक रणनीति का संकेत देते हैं। इसी बीच, जल जीवन मिशन के तहत नल से जल कनैक्शन का विस्तार 14 लाख से अधिक परिवारों तक पहुंच चुका है। इंफ्रास्ट्रक्चर-आर्थिक धमनियों का निर्माण रू 42,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का विस्तार और उन्नयन, जिसमें निर्माण और अपग्रेडेशन पर 29,333 करोड़ रुपए खर्च किए गए, सिर्फ अमूर्त कनैक्टिविटी के बारे में नहीं है। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में सड़कें आर्थिक धमनियां हैं। वे तय करती हैं कि माल कितनी तेजी से पहुंचता है, बच्चे स्कूल कितनी आसानी से जाते हैं और दूरदराज के समुदाय राज्य के अन्य हिस्सों से कितना जुड़ा महसूस करते हैं। यहां पुरानी दुनिया का एक तर्क है, सड़कें बनाओ, विकास अपने आप आएगा। ऊर्जा क्रांति-खेतों और भविष्य को शक्ति रू ऊर्जा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उत्पादन क्षमता में 8,261 मैगावाट की वृद्धि हुई। दिन में खेतों तक बिजली पहुंचाना किसानों की दिनचर्या बदलता है, अनिश्चितता कम करता है और उत्पादकता बढ़ाता है। पी.एम.-कुसुम योजना के तहत 2,884 मैगावाट क्षमता स्थापित की गई और 2.10 लाख कृषि कनैक्शन जारी किए गए, 22 जिलों में अब दिन में बिजली उपलब्ध है। सौर ऊर्जा पर समानांतर जोर 59,000 सोलर पंपों (921 करोड़ रुपए सबसिडी) और पी.एम. सूर्य घर योजना के तहत 1.31 लाख रूफटॉप सोलर प्लांटों से स्पष्ट है। कृषि-किसानों के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा जाल रू कृषि राजस्थान की अर्थव्यवस्था का केंद्र बनी हुई है। किसान सम्मान निधि के तहत 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 11,000 करोड़ रुपए से ज्यादा सीधे ट्रांसफर किए गए। 50,802 करोड़ रुपए के ब्याज-मुक्त फसल ऋण वितरित किए गए और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 6,473 करोड़ रुपए के क्लेम किसानों को दिए गए। इनके साथ 48,591 करोड़ रुपए की बिजली सबसिडी और 2 लाख से अधिक नए कृषि कनैक्शन एक सुरक्षा जाल बनाते हैं। लाडो (लाड़ली) प्रोत्साहन योजना के तहत बालिकाओं को दी जाने वाली राशि बढ़ाकर 1.50 लाख रुपए कर दी गई। 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया और 16 लाख से अधिक लाखपति दीदी बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राशि 5,000 से बढ़ाकर 6,500 रुपए की गई। मां वाऊचर योजना गर्भवती महिलाओं को मुफ्त सोनोग्राफी प्रदान करती है, जिसका लाभ अब तक 2.26 लाख से अधिक महिलाओं को मिल चुका है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 10 प्रतिशत की कमी आई है। वृद्ध, विधवाओं, एकल महिलाओं, दिव्यांगों और छोटेध्सीमांत किसानों की पैंशन बढ़ाकर 1,250 रुपए प्रति माह कर दी गई। मुख्यमंत्री मंगल शिशु बीमा योजना के तहत 14 लाख से अधिक बच्चों को मुफ्त बीमा पॉलिसी जारी की गई। अपराधों में कुल 14 प्रतिशत औसत कमी (महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित) कानून-व्यवस्था में सुधार का संकेत देती है, हालांकि ऐसे दावों की जांच और निरंतरता आवश्यक है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 लाख से अधिक घर पूरे कर जरूरतमंदों को सौंपे गए। लगभग 1.25 लाख नियुक्तियां की गईं, विभिन्न चरणों में 1.33 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। निजी क्षेत्र में अब तक लगभग 3 लाख रोजगार प्रदान किए गए। 2026 के लिए सवा लाख नौकरी कैलेंडर जारी किया गया। उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पिछले 2 वर्षों में 34 से अधिक क्षेत्र-विशेष नीतियां जारी की गईं। प्रति व्यक्ति आय पहली बार 2 लाख रुपए के पार, अब 2,02,349 रुपए हो गई है। आर्थिक सुधारों और ईज ऑफ डूइंग बिजनैस प्रयासों से औसत जी.एस.डी.पी. वृद्धि दर 12.25 प्रतिशत तक बढ़ गई। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट 2024 में 35 लाख करोड़ रुपए के एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित हुए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। केंद्रीय योजनाओं में राजस्थान 11 में प्रथम, 5 में द्वितीय और 7 में तृतीय स्थान पर है (कुछ रिपोर्टों में तृतीय 9 में)। सभी में जो सबसे अलग दिखता है वह हैं।

पत्रकारों के साथ अपराधियों जैसा सलूक

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के 9 रफी मार्ग स्थित कार्यालय को कथित तौर पर भूमि आवंटन की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में सील कर दिया। देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी के साथ दिल्ली पुलिस ने जो सलूक किया, उस पर लोकतंत्र के पक्षधर नागरिक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड, वीमेंस प्रेस क्लब समेत कुछ पत्रकार संगठनों ने भी इसकी निंदा की है और अलग-अलग दलों के कुछ नेताओं ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए हैं। लेकिन इस खबर पर जो व्यापक हलचल मचनी चाहिए थी, वो कहीं नजर नहीं आ रही। इससे समझ आता है कि अब हम शायद जागरुक समाज नहीं रहे, और काफी हद तक संवेदनहीन, आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं। तभी तो बड़ी से बड़ी घटनाएं भी हमें विचलित नहीं करतीं। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं, बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की कई खबरें आती हैं और समाज उन्हें सरसरी निगाह से देखकर टाल देता है कि ये सब तो होता ही रहता है। अत्याचार तो पहले भी होते रहे हैं, तब पत्रकार इन्हें उजागर करना अपना दायित्व समझते थे। क्योंकि जब तक समाज की बुराइयों को सामने नहीं लाया जाएगा, तब तक उनका खात्मा करने के तरीके भी नहीं तलाशे जा सकते। लेकिन अब मीडिया भी उन्हीं खबरों को तरजीह देता है, जो वायरल हों, जिनके कारण टीआरपी बढ़े या लाइक्स और कमेंट्स ज्यादा मिले। यही वजह है कि

पहले कुंभ मेले में एक सुंदर युवती मोनालिसा चर्चा में आई, फिर उसके अभिनेत्री बनने की खबरें खूब चलीं और अब उसने विवाह कर लिया तो उस पर भी प्रेस कांफ्रेंस हो गई कि उसने जिस व्यक्ति से विवाह किया, उसका धर्म क्या है और यह सही है या नहीं। सोचिए मीडिया ने अपनी प्राथमिकताओं को किस गर्त में पहुंचा दिया है कि दो बालिग आपसी रजामंदी से विवाह करें तो वह उनकी हेडलाइन्स बन जाती है। इस माहौल में यूएनआई का दफ्तर सील करना और वहां मौजूद पत्रकारों से बदसलूकी आम खबर की तरह आई और चली भी गई। गौरतलब है कि दिल्ली में संसद भवन के पास 9 रफी मार्ग पर लगभग 5,289.52 वर्ग मीटर जमीन दशकों पहले यूएनआई को सरकार ने लीज पर दी थी। इस जमीन की अनुमानित कीमत मौजूदा दर 7.74 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से करीब 409 करोड़ रुपये आंकी गई है। सरकार ने यह जमीन संयुक्त कार्यालय परिसर विकसित करने के यूएनआई को दी थी, लेकिन कम से कम 40 साल बीतने के बाद भी वहां कोई निर्माण नहीं हुआ। सरकार का कहना है कि यूएनआई कार्यालय का निर्माण नहीं कर सका, जो आवंटन पत्र में तय शर्तों का उल्लंघन है। जिसके बाद आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत आने वाले लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने 12 जनवरी 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद 29 मार्च 2023 को आवंटन रद्द कर दिया था। न्यूज एजेंसी ने इस रद्दीकरण को अदालत में चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने वित्तीय कमी और लंबित मंजूरियों को देरी का कारण बताने वाले उसके तर्कों को खारिज कर दिया। अदालत ने माना कि चार दशकों से अधिक समय तक भवन का निर्माण न करना आवंटन की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है। शुक्रवार को ही यह फैसला आया और इसी शाम को ही कुछ वकील और दिल्ली पुलिस भारी दलबल के साथ परिसर पहुंच गए। अदालत का फैसला और उसके मुताबिक कानूनी कार्रवाई तो सही है, लेकिन यहां असली सवाल पुलिस के रवैये का है। जिस तरह एक मीडिया संस्थान से कर्मचारियों को निकाला गया, वैसा सलूक अपराधियों के साथ किया जाता है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो आए हैं, जिनमें यूएनआई परिसर में बड़ी तादाद में पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं और पत्रकारों-कर्मचारियों से दफ्तर खाली करने को कह रहे हैं। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि दफ्तर खाली कराने में कघनूनी प्रक्रिया का पालन किया गया और कुछ भी गलत नहीं हुआ, क्योंकि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई थी। लेकिन यूएनआई ने अपनी पोस्ट में एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उसके दफ्तर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नजर आ रहे हैं और कर्मचारी आरोप लगा रहे हैं कि उनके साथ धक्का-मुक्की हो रही है। यूएनआई के कुछ कर्मियों ने बताया कि शाम को कुछ वकील और अधिकारी बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अन्य बलों के साथ यूएनआई के दफ्तर पहुंचे। शाम 6 से 6.30 बजे के बीच प्रशासनिक कार्यालय बंद हो चुका था, ये सभी लोग सीधे न्यूज रूम में घुस गए जहां उर्दू और हिंदी सर्विस है। रोजा इफ्तार का समय था तो उर्दू सर्विस के कुछ लोग बाहर गए थे।

दुनिया कौन चला रहा है?

प्रेरणा

इतिहास में कभी-कभी कुछ ऐसा घटता है कि दुनिया को कठपुतली बनाकर नचाने वालों का भांडा फूट जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ था 2004 में, जब जॉन पर्किन्स नाम के एक सज्जन ने श्कंफेशन्स ऑफ एन इकानामिक हिटमैनश (एक आर्थिक हत्यारे की स्वीकारोक्ति) किताब प्रकाशित की थी। इस पर बड़ा हंगामा हुआ था, लेकिन कोई उसे झुठला नहीं सका, क्योंकि पर्किन्स ने किताब की शुरूआत में ही बता दिया था कि वे खुद भी एक श्इकानामिक हिटमैनश रहे थे। क्या मतलब है इकानामिक हिटमैन का? पर्किन्स बताते हैं कि दुनिया के सभी अमीर देश श्इकानामिक हिटमैनश पालते हैं जिनका काम ही है कि वे विकासशील देशों के नेताओं से नजदीकी रिश्ता बनाते हैं और फिर श्विकास या संपन्नताश या श्गरीबी हटाओश जैसे लुभावने मंजर दिखाकर, उन्हें बड़े विदेशी ऋण लेने के लिए तैयार करते हैं। वे बताते हैं कि आपको ऋण के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं, वह हम लाकर देंगे! पर्किन्स लिखते हैं कि यह मछली फंसाने जैसा है। एक बार मछली फंसी तो अमेरिका-यूरोप की सरकारों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की चांदी हो जाती है। विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है, सो ऐसी परियोजनाओं के लाभ का लुभावना सब्जबाग ऐसा खड़ा किया जाता है कि विकासशील देशों की सरकारें बड़े-बड़े ऋण ले लेती हैं। ऋण का पैसा उनके हाथ आता भी नहीं है, क्योंकि उन्हीं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के एजेंट विकास परियोजनाओं का ठेका भी ले लेते हैं। जिसका पैसा था, उसी की जेब में वापस पहुंच जाता है, जबकि ऋण लेने वाले देश पर कर्ज लद जाता है। एक बार देश कर्ज में फंसा तो शुरू होता है महाशक्तियों का खेल! कर्ज माफी या कर्ज की शर्तों में ढील के नाम पर उस देश पर जबर्दस्त राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य दबाव डाला जाता है, ताकि वह अपनी राष्ट्रीय नीतियों में उनके अनुकूल बदलाव करे तथा अपने प्राकृतिक संसाधनों को निजी कंपनियों के लिए खोल दे। कर्जदार देश घुटने टेक देता है और इकानामिक हिटमैन अपना कमीशन लेकर आगे चल देता है- नया देश, नया शिकार खोजने। पर्किन्स की किताब पढ़ते हुए मुझे 1991 का आर्थिक संकट याद आया। तब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका था। बताया गया था कि मात्र 2-3 हफ्तों की जरूरत लायक डॉलर देश के पास बचे हैं। सरकार को अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्वबैंक से आपातकालीन ऋण लेना पड़ा। ऋण तो मिला, लेकिन उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण उस ऋण के साथ आया। आपको विकीलीक्स याद है? एक अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट जो गुप्त सरकारी व कॉर्पोरेट दस्तावेजों की जासूसी कर, उन्हें सार्वजनिक करती है? इसकी स्थापना 2006 में जूलियन असांजे नामक युवा ने की थी। वह कहता था कि सरकारों, शक्तिशाली वित्तीय संस्थाओं आदि के गुप्त दस्तावेजों का खुलासा करना जरूरी है, ताकि लोग जान सकें कि उनके साथ कितना खतरनाक खेल हो रहा है। इससे सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता बढ़ेगी और दादा देश जवाबदेही से काम करेंगे। इससे नाराज होकर सरकारों ने असांजे को जेल में डाला, देश-निकाला भी दे दिया। आज वह दर-दर की ठोकरें खा रहा है, पोशीदा जीवन जी रहा है। विकीलीक्स के खुलासों से 2008 के भारत-अमेरिका परमाणु समझौते और उससे जुड़े सांसदों को कथित रिश्वत दिए जाने के आरोप सामने आए। आज की देखें तो अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच भारत सरकार श्एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962 और श्सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 में बदलाव ला रही है। बात सीधी हैरू टैरिफ में छूट चाहते हो तो परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी और विदेशी निवेश के लिए खोलना होगा। सालों पहले जिस एपस्टीन की मौत हो चुकी है उसके सेक्स-कांड की परतें जिस तरह खुल रही हैं, उससे लगता है मानो वह कब्र से बोल रहा हो। दरअसल, एपस्टीन सिर्फ एक अमीर कारोबारी नहीं थाय वह सत्ता के गलियारों में सक्रिय एक बेहद असरदार दलाल था। पैसे और प्रतिष्ठा की आड़ में उसने दुनिया के बड़े-बड़े राजनेताओं, धनकुबेरों, वैज्ञानिकों, विचारकों, शिक्षाविदों और स्वयंभू समाजसेवियों का एक घना और प्रभावशाली नेटवर्क खड़ा कर लिया था। इसी नेटवर्क के भीतर वह लोगों की कमजोरियों और वासनाओं को हथियार बनाता था। नतीजे में यह जाल इतना शक्तिशाली बन गया कि उसके जरिए वह दुनिया के किसी भी कोने से अपने मनमुताबिक काम निकलवा सकता था। ऐसे में मैं गांधी की बात करूं? तब आजादी निकट थी। एक पत्रकार ने पूछा क्या आजाद भारत अपने विकास के लिए ब्रिटेन का मॉडल अपनाएगा? छोटे-से ब्रिटेन को अपनी दादागिरी बनाए रखने के लिए पूरी दुनिया पर राज करना पड़ा था,श्गांधीजी ने तक्षण जवाब दिया, अगर विशाल भारत वही रास्ता अपनाएगा तो उसके लिए तो दुनिया भी कम पड़ जाएगी! क्या कह रहे थे गांधीजी? यही कि यह विकास विनाश का दूसरा नाम है। कल के इंग्लैंड की बात छोड़िए, आज के अमेरिका को ही देखिए! सबसे अमीर देश बने रहने के लिए वह एक पागल हाथी की तरह घूम रहा है।

वैश्विक कंपनियों के लिए तैयार होंगे आधुनिक बिजनेस पार्क

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में ह्लउत्तर प्रदेश निजी बिजनेस पार्क विकास योजना-2025ह्व को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना के तहत प्रदेश में विश्वस्तरीय प्लग-एंड-प्ले बिजनेस पार्क विकसित कर वैश्विक निवेश, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को नई गति दी जाएगी। योजना के अंतर्गत प्रदेश में ऐसे बिजनेस पार्क विकसित किए जाएंगे, जहां वैश्विक निगमों के कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास आरएंडडी केंद्र, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जीसीसी तथा संचालन केंद्र स्थापित किए जा सकेंगे। इन पार्कों में रेडी-टू-ऑपरेट और प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे सेवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी से विस्तार होगा।अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने बताया कि अभी तैयार इंफ्रास्ट्रक्कर के अभाव में परियोजनाओं में देरी और लागत वृद्धि होती है। यह योजना इस समस्या का समाधान करते हुए आधुनिक व रेडी-टू-यूज इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराएगी, जो प्रदेश की औद्योगिक निवेश नीतियों का पूरक बनेगा। विश्वस्तरीय बिजनेस पार्क्स की स्थापना से औद्योगिक सेटअप में तेजी आएगी

कमर पर बढ़ते फैट के साथ बढ़ जाता है बांझपन का खतरा, आप भी हो जाएं अलर्ट

मौजूदा समय में इंफर्टिलिटी यानी बांझपन की समस्या तेजी से बढ़ रही है। एक समय था जब यह समस्या उम्रदराज महिलाओं में देखी जाती थी, लेकिन अब कम उम्र की महिलाएं भी इससे जूझ रही हैं। आधुनिक जीवनशैली, तनाव, असंतुलित खानपान और हार्मोनल असंतुलन इसके प्रमुख कारण बनकर सामने आ रहे हैं। मोटापा या बेली फैट बढ़ना मौजूदा समय की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग, महिला और पुरुष सभी इसकी गिरफ्त में देखे जा रहे हैं। तमाम मेडिकल रिपोर्ट्स से हम सभी इतना तो समझ ही गए हैं कि मोटापा सिर्फ लुक खराब होने की समस्या नहीं है, ये कई गंभीर बीमारियों का जड़ भी है। आमतौर पर शरीर पर बढ़े हुए फैट को हृदय रोग, डायबिटीज से लेकर कैंसर जैसी समस्याओं का कारण माना जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि इसके कारण आपके मां बनने का सपना भी सपना ही रह सकता है? मौजूदा समय में इंफर्टिलिटी यानी बांझपन की समस्या तेजी से बढ़ रही है। एक समय था जब यह समस्या उम्रदराज महिलाओं में देखी जाती थी, लेकिन अब कम उम्र की महिलाएं भी इससे जूझ रही हैं। आधुनिक जीवनशैली, तनाव, असंतुलित खानपान और हार्मोनल असंतुलन इसके प्रमुख कारण बनकर सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गड़बड़ लाइफस्टाइल के कारण तो इंफर्टिलिटी बढ़ी ही है, इसके अलावा मोटापा विशेषतौर पर बेली फैट का भी इसमें बड़ा योगदान है।

प्रजनन संबंधित समस्याओं के क्या कारण हैं?

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन महिलाओं को बेली फैट की दिक्कत होती है उनमें प्रजनन संबंधित समस्याएं भी अधिक देखी जाती रही हैं। कमर के चारों ओर हर अतिरिक्त सेंटीमीटर फैट बढ़ने से महिलाओं में बांझपन का खतरा तीन प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका में 18 से 45 वर्ष की आयु की 3,200 महिलाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया। विशेषज्ञों ने बताया, यहां इंफर्टिलिटी का मतलब एक साल से गर्भधारण करने की कोशिश में सफलता न मिलने से था।

बेली फैट बढ़ने से बांझपन का हो सकता है खतरा

अध्ययन में पता चला कि जिन महिलाओं की कमर की परिधि (फैट) 60 सेमी थी, उनमें बांझपन की दर सबसे कम थी। जबकि जिन महिलाओं की कमर की परिधि 160 सेमी या उससे अधिक थी, उनमें बांझपन का खतरा सबसे अधिक देखा गया। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया जिन महिलाओं के कमर की माप 113 सेमी तक थी, उन महिलाओं ने शारीरिक गतिविधियों और व्यायाम की मदद से अपने जोखिमों को कम करने में सफलता भी पाई।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, मध्यम स्तर की शारीरिक गतिविधि आपकी हृदय गति बढ़ाती है, आपकी सांसें तेज हो जाती हैं और इससे आपको पसीना आता है। मध्यम तीव्रता वाली गतिविधियों के उदाहरणों में तेज चलना, रनिंग और साइकिलिंग शामिल है। इसकी मदद से आप वेट लॉस और बेली फैट भी कम कर सकती हैं। चीन के हुईझोउ सेंट्रल पीपुल्स हॉस्पिटल की टीम ने कहा, कमर की माप कम करने वाले प्रयास आपके मां बनने के सपने को पूरा करने में मददगार हो सकती हैं। गर्भधारण करने की कोशिश कर रही महिलाएं अपनी कमर की माप पर नजर रखें और शारीरिक गतिविधियों को बढ़ा लें तो इससे गर्भवती होने की संभावना बढ़ा सकती है।

इन जोखिम कारकों पर भी दें ध्यान

विशेषज्ञों ने कहा ,लाइफस्टाइल फैक्टर्स जैसे देर रात तक जागना, फास्ट फूड और प्रोसेस्ड चीजों का अधिक सेवन, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मोटापा महिलाओं के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ देता है। इससे ओव्यूलेशन पर असर पड़ता है, जो गर्भधारण में सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके अलावा कामकाजी महिलाओं में बढ़ता मानसिक तनाव भी गर्भधारण में मदद करने वाले हार्मोन्स को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक तनाव रहने से मासिक धर्म अनियमित हो सकता है और गर्भधारण की संभावना कम हो जाती है। इन आदतों में सुधार करना भी जरूरी हो जाता है।

महीन आइब्रो भी हो जाएंगी मोटी, बस ये तरीके आजमाकर देख लें

अगर आपकी आईब्रो भी काफी पतली और महीन हैं तो यहां कुछ घरेलू नुस्खे बताए जा रहे हैं, जिनको आजमाने के बाद इसमें काफी बदलाव आएगा। जिस तरह से बालों से शरीर की खूबसूरत बढ़ती है, ठीक उसी तरह से आइब्रो का भी चेहरे की खूबसूरती को कई गुना हाथ है। घनी और खूबसूरत आईब्रो चेहरे की सुंदरता को और निखार देती हैं, लेकिन कई बार तनाव, हार्मोनल बदलाव, अधिक थ्रेडिंग

या पोषण की कमी के कारण आईब्रो पतली हो जाती हैं। बहुत से लोगों की आईब्रो बचपन से ही पतली होती हैं। इसकी वजह से लुक काफी अजीब दिखता है। तो अगर आपकी आईब्रो पतली, हल्की या असमान दिखती हैं, तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। वैसे तो बाजार में कई प्रोडक्ट्स और सीरम उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें मौजूद केमिकल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में घरेलू नुस्खे सबसे बेहतर और सुरक्षित विकल्प हैं। नियमित रूप से इन नुस्खों का इस्तेमाल करने से न सिर्फ आईब्रो में मोटाई आती है, बल्कि उनकी चमक और मजबूती भी बढ़ती है। यहां इस लेख में हम आपको आईब्रो मोटी करने के कुछ घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं।

1. अरंडी का तेल

अरंडी का तेल या कैस्टर ऑयल आपकी आईब्रो को मोटा करने में काफी मददगार है। इसके इस्तेमाल के लिए रोजाना रात को कैस्टर ऑयल आईब्रो पर लगाएं। इसे आप ऐसे ही लगाकर सो सकते हैं। नियमित रूप से इसके इस्तेमाल से आईब्रो की ग्रोथ होती है।

2. नारियल तेल

हर घर में नारियल का तेल बड़ी आसानी से मिल जाता है। ये आता भी काफी सस्ता है। इसमें विटामिन ई भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इसके इस्तेमाल से आप बिना किसी मेहनत के भी घनी आईब्रो पा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से सर्दियों में आईब्रो पर रूसी भी नहीं जमेगी।

3. एलोवेरा जेल

ज्यादातर भारतीय घरों में एलोवेरा का पौध लगा होता है। ऐसे में इसके इस्तेमाल से भी आईब्रो की ग्रोथ को ठीक कर सकते हैं। दरअसल, एलोवेरा जेल आईब्रो के रोमछिद्रों को पोषण देता है, जिससे इनकी ग्रोथ में इजाफा होता है। अगर आपके घर में पौधा नहीं है तो आप बाजार में मिलने वाले एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। 4. प्याज का रस अगर आपके पास हमेशा प्याज उपल्ब्ध रहता है तो इसके रस के इस्तेमाल से आप आईब्रो की ग्रोथ मजबूत कर सकते हैं। प्याज के रस में भरपूर मात्रा में सल्फर पाया जाता है। जिसके इस्तेमाल से न सिर्फ आईब्रो की ग्रोथ बढ़ती है, बल्कि इसके इस्तेमाल से आईब्रो की जड़ों को मजबूत होती हैं।

सोशल मीडिया पर छाया नया रिलेशनशिप ट्रेंड

बर्ड थ्योरी क्या है? जानिए सोशल मीडिया पर छाए इस वायरल रिलेशनशिप ट्रेंड का मतलब, इसके फायदे, नुकसान और क्यों कपल्स इसे प्यार की नई भाषा मान रहे हैं। रिश्तों की दुनिया में हर दिन कोई न कोई नया ट्रेंड जन्म लेता है। कभी बेर मिनिमम थ्योरी, कभी ग्रीन फ्लैग चेक और अब छाया है इंस्टाग्राम पर लाखों लोग इस ट्रेंड पर वीडियो बना रहे हैं और कह रहे हैं, अगर आपका पार्टनर आपको बर्ड थ्योरी जैसा ट्रीट करता है, तो समझिए रिश्ता सही दिशा में है। लेकिन आखिर क्या है ये बर्ड थ्योरी जो आज रिलेशनशिप की पहचान बन चुकी है? बर्ड थ्योरी की शुरूआत सोशल मीडिया क्रिएटर के एक वीडियो से हुई। उन्होंने कहा, अगर आपका पार्टनर किसी छोटे से पक्षी को देखकर एक्साइटेड हो जाता है, और वो खुशी आपसे शेयर करता है, तो वो आपको और इस रिश्ते को भी उतनी ही इमोशनल इंपॉर्टेंस देता है।मतलब है, जब कोई व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी खुशियों को आपके साथ साझा करता है, तो वह असल में रिश्ते को जीवंत रखता है। यह थ्योरी बताती है कि रिश्ता तभी मजबूत होता है, जब पार्टनर्स एक-दूसरे के रोजमर्रा के अनुभवों में दिलचस्पी लें।

बर्ड थ्योरी रिश्ते में क्यों है जरूरी?

आज की व्यस्त जिंदगी में कपल्स अक्सर एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर हो जाते हैं। इस दूरी को कम करने का एक सिंपल लेकिन असरदार तरीका बताती है। अगर आपका पार्टनर किसी छोटी चीज जैसे कि उड़ते पक्षी, सुंदर आसमान या नए गाने को देखकर मुस्कान के साथ आपके पास आता है, तो वो न सिर्फ उस पल को साझा कर रहा है बल्कि आपके साथ अपने इमोशनल स्पेस को भी बांट रहा है। ये थ्योरी इस बात पर जोर देती है कि रिश्ते में ध्यान देना ही प्यार की असली भाषा है।

भावनात्मक जुड़ाव बढ़ता है

जब आप छोटी-छोटी चीजों में एक-दूसरे की रुचि लेते हैं, तो इमोशनल बंधन मजबूत होता है।

बेहतर संचार

इस थ्योरी से बातचीत का सिलसिला बढ़ता है, जिससे रिश्ता खुला और ईमानदार बनता है।

रिश्ते में नई ऊर्जा

यह थ्योरी रिश्ते को बोरिंग होने से बचाती है और रोमांस को फिर से जीवित करती है।

एक-दूसरे की परवाह दिखती है

इसमें पार्टनर महसूस करता है कि उसकी भावनाएं मायने रखती हैं। ये थ्योरी दिखाती है कि लोगों को अपने पार्टनर की कितनी परवाह है।

मानसिक शांति और सकारात्मकता

रिश्ते में छोटी खुशियों पर ध्यान देने से तनाव कम होता है और खुशी बढ़ती है।

बर्ड थ्योरी के नुकसान या सीमाएं

हर थ्योरी की तरह, इसके भी कुछ सीमाएं हैं, जैसे

हर व्यक्ति भावनात्मक नहीं होता। कुछ लोग छोटी-छोटी बातों को शेयर नहीं करते, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वो कम प्यार करते हैं।

इसमें उम्मीद बढ़ सरती है। अगर एक पार्टनर हर बात शेयर करता है और दूसरा नहीं, तो असंतुलन या तुलना की भावना आ सकती है।

सच बनाम सामाजिक व्यवहार यानी कई बार लोग सोशल मीडिया के लिए दिखावा करते हैं, जबकि असल जीवन में कनेक्शन कम होता है।

शुगर की जांच के लिए अब निडिल चुभाने की जरूरत नहीं, मिनटों में मिलेगा रिजल्ट

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी-एम) के शोधकताओं ने मधुमेह रोगियों के लिए एक कम बजट वाली, यूजर फ्रेंडली और उपयोग करने में आसान ग्लूकोज मॉनिटरिंग उपकरण विकसित किया है। डायबिटीज दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर समस्या है, जिसका खतरा अब कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है। पहले डायबिटीज बुजुर्गों को होने वाली बीमारी माना जाती थी हालांकि अब युवा और बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो ये बीमारी किसी को भी हो सकती है, हालांकि जिनकी लाइफस्टाइल ठीक नहीं है, खान-पान गड़बड़ है या फिर माता-पिता या परिवार में पहले से किसी को ये बीमारी रही है, उनमें खतरा अधिक हो सकता है। डॉक्टर सभी डायबिटीज मरीजों को नियमित अंतराल पर शुगर लेवल की जांच करते रहने और उसी आधार पर खानपान और दिनचर्या को

व्यवस्थित करने की सलाह देते हैं। घर पर ही शुगर की जांच करने के लिए ग्लूकोमीटर का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। ये एक छोटा सा डिवाइस है जिसके स्ट्रिप पर खून की एक बूंद लगाकर शुगर लेवल की जांच की जा सकती है। हालांकि इसके लिए हर बार उंगली पर निडिल चुभाकर खून निकालने की जरूरत होती है, जो दर्दकारक होती है। डायबिटीज रोगियों के लिए इस संबंध में अच्छी खबर है। आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों ने एक प्रभावी ग्लूकोमीटर तैयार कर लिया है जिसमें बिना सुई चुभाए भी शुगर की जांच की जा सकती है।

ग्लूकोज मॉनिटरिंग उपकरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी-एम) के शोधकताओं ने मधुमेह रोगियों के लिए एक कम बजट वाला, यूजर फ्रेंडली और उपयोग करने में आसान ग्लूकोज मॉनिटरिंग उपकरण विकसित किया है। शोधकताओं की टीम का मानना है कि इसकी मदद से शुगर लेवल को नियमित रूप से जांचने में बिना दर्द के मदद मिल सकती है। यह पेटेंट उपकरण मरीजों को बिना उंगलियों में सुई चुभने के दर्द के भी ग्लूकोज के स्तर को मापने में मददगार हो सकती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की रिपोर्ट के मुताबिक देश की लगभग 9 प्रतिशत आबादी मधुमेह से पीड़ित है, इनमें से अधिकतर लोगों को डॉक्टर नियमित रूप से शुगर की जांच करते रहने की सलाह देते हैं।

ग्लूकोमीटर से घर पर डायबिटीज की जांच

अभी तक घर पर डायबिटीज की जांच के लिए ग्लूकोमीटर का इस्तेमाल किया जाता रहा है। ये एक छोटा-सा डिवाइस होता है जिससे आप घर पर ही अपने ब्लड शुगर की जांच कर सकते हैं। इसके लिए ग्लूकोमीटर में एक नई टेस्ट स्ट्रिप लगाने के बाद, अपनी उंगली में निडिल या सिरिंज की मदद से पिन करके एक ड्रॉप खून को इसी स्ट्रिप पर लगाना होता है। कुछ सेकंड में डिवाइस आपकी ब्लड शुगर वैल्यू दिखा देती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

इलेक्ट्रॉनिक मटेरियल और थिन फिल्म्स लैब के शोधकताओं ने प्रोफेसर परशुरामन स्वामीनाथन के नेतृत्व में इसे विकसित किया है। इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे आईआईटी मद्रास के डॉ एल. बालामुरुगन कहते हैं, इस तरह का उपकरण वास्तव में बहुत सहायक है। ग्लूकोज की निगरानी को दर्दरहित बनाने के साथ ये किफायती भी है। यह ग्लूकोज के स्तर की नियमित जांच करने, अपने शरीर के पैटर्न को समझने में जांच के लिए अनावश्यक दौड़ भाग को कम करने में मदद करता है। हालांकि ये डिवाइस किस तरह से काम करती है फिलहाल इसकी स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की गई है।

इन 4 वजहों के चलते बढ़ जाती हैं पति-पत्नी में दूरियां, ऐसे लाएं रिश्ते में सुधार

पति-पत्नी के रिश्ते को जीवन का सबसे अच्छा रिश्ता माना जाता है। इस रिश्ते में दो लोग प्यार और आपसी समझ के साथ सारी जिंदगी खुशी-खुशी बिता देते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ रिश्ते में भी बदलाव आता है। किसी बात या आदत के ना मिलने पर एक-दूसरे से झगड़ा करना या कई दिनों तक बात ना करना पति-

पत्नी के बीच आम बात हो गई है, पर क्या आपने सोचा है कि ये छोटे-छोटे झगड़े आपके रिश्ते को बुरी तरह बिगाड़ सकते हैं। आज की इस स्टोरी में हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे जिनकी मदद से आप अपने बीच होने वाले झगड़े को खत्म कर सकते हैं......

एक-दूसरे को वक्त दें

किसी भी रिश्ते में झगड़े की सबसे बड़ी वजह होती है आपसी समझ की कमी। ऐसे में शादी के रिश्ते में पति-पत्नी को एक-दूसरे को समझने के लिए थोड़े वक्त की जरुरत होती है। आप दोनों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि एक-दूसरे को पूरा समय दें। आप चाहें कितने भी व्यस्त क्यों ना हों, लेकिन पार्टनर के लिए समय जरुर निकालें। इससे दोनों के मन में प्यार बना रहेगा।

लड़की के परिवार को भी अपना समझें

शादी के बाद लड़की अपने पति के घर को अपना लेती है लेकिन लड़के इस मामले में पीछे रह जाते हैं। लड़कों को भी अपने सास-ससुर के साथ कभी-कभी समय बिताना चाहिए। ऐसा करने से रिश्ते की डोर मजबूत होती है। ससुराल वालों से बेहतर संबंध पत्नी के दिल में आपके लिए प्यार और इज्जत दोनों को बढ़ाने में मदद करेगा।

एक-दूसरे पर भरोसा करना

पति-पत्नी के रिश्ते की डोर भरोसे पर टिकी होती है। जितना ज्यादा भरोसे की डोर मजबूत होगी, आपका रिश्ता भी उतना ही मजबूत होगा और आप दोनों भी खुश रहेंगे। अगर आप दोनों लोग जॉब करते हैं तो ये ज्यादा जरुरी हो जाता है। एक बेहतर रिलेशन के लिए एक-दूसरे के काम को सम्मान दें और सभी बातें शेयर । ऐसा करने से रिश्ता वक्त के साथ और बेहतर हो जाता है।

4. बेस्ट फ्रेंड्स बन कर रहें

आज के समय में हमारे घर वालों से भी ज्यादा करीब हमारे दोस्त होते हैं। उनमें भी 1-2 लोग ही ऐसे होते हैं, जिनसे हम अपनी सारी बातें शेयर कर पाते हैं। हसबैंड-वाइफ के बीच में भी ऐसा ही बॉन्ड होना चाहिए। एक रिसर्च के अनुसार जो कपल एक-दूसरे को बेस्ट फ्रेंड्स बन कर रहें, अपनी बातें शेयर करें। अगर किसी बात से परेशान हैं, तो वो एक-दूसरे के साथ साझा करें। ऐसा करने से आपका रिश्ता और मजबूत होगा।

पेट फूलना और वजन घटना नहीं है नॉर्मल बात, समझ लो चुपके से आपको बर्बाद कर रहा है ये रोग

यह सच है कि अक्सर हम अपने शरीर में छोटे-छोटे बदलावों को ह्लकुछ नहींह्व मानकर अनदेखा कर देते हैं- लेकिन (कैंसर विशेषज्ञ) कहते हैं कि ये छोटे-बदलाव कभी-कभी ह्लचुपके मेंह्व गंभीर रोग, जैसे कैंसर का पहला संकेत हो सकते हैं। आइए जानते हैं क्यों ये बदलाव महत्वपूर्ण हैं और किन संकेतों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

क्यों यह इतना महत्वपूर्ण है

कैंसर अक्सर शुरूआत में दर्द नहीं देता, या सामान्य गलती-गलतफहमी वाला लक्षण दिखाता है- इसलिए लोग देर कर देते हैं। जब

बीमारी पहले-पहले पकड़ी जाए, तो इलाज के परिणाम बहुत बेहतर होते हैं। समय रहते लक्षण दिखने पर चिकित्सक से मिलना फायदेमंद होता है। इसलिए, ह्लकुछ बदल गया हैह्व-ई सोचकर चुप न रहें- अपने शरीर, आदतों, बदलावों पर ध्यान देना जरूरी है।

किन संकेतों पर ध्यान देना चाहिए

अगर नीचे दिए गए में से कोई लक्षण आपके साथ लगातार हो रहा है, तो उसे अनदेखा नहीं करना चाहिए- और चिकित्सक से बात करनी चाहिए।

अनजाने वजन का गिरनाः बिना किसी खास कोशिश के अचानक वजन कम होना-यह पेट, फेफड़े, अन्न-नाल आदि कैंसर का संकेत हो सकता है।

लगातार थकावट महसूस होनाः पर्याप्त आराम के बाद भी थकान बनी रहना खासकर जब यह दिन-दिन बढ़ती हो - खून-से संबंधित या कोलन-कैंसर आदि में भी दिख सकती है।

गांठ या सूजन-सा कुछ दिखाई देना या महसूस होनाः स्तन, गर्दन, बगल, जांघ आदि में सूजन-गांठ जो ठीक नहीं हो रही होइसे हल्के में न लें।

त्वचा-परिवर्तन,मोल्स का बदलनाः नए मोल्स, पुराने का रंग-परिवर्तन, घाव जो बंद नहीं हो रहा हो, त्वचा का पीलापन ये संकेत हो सकते हैं।

मूत्र,मल आदतों में बदलावः लंबे समय तक कब्ज, दस्त, मल में खून, मूत्र में खून या अचानक अधिक-कम जाना- ये संकेत हो सकते हैं कोलन, मूत्राशय, प्रोस्टेट कैंसर के।

अनियमित रक्तस्त्राव या डिस्चार्जः जैसे कि मासिक धर्म चक्र में बदलाव, गर्भाशय के बाद रक्तस्त्राव, स्तन से डिस्चार्ज आदि महिलाओं में विशेष-होकर देखा जाना चाहिए। कुछ बातें याद रखेंये लक्षण जरूरी नहीं कि हर मामले में कैंसर हों लेकिन अगर दो-तीन हफ्ते से ज्यादा बने हुए हों या बढ़ते हों, तो चिकित्सक से मिलना बेहतर है।

लखनऊ में बड़े विकास प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

लखनऊ (संवाददाता)। कैबिनेट बैठक में प्रदेश की लखनऊ में बुनियादी ढांचे, हेरिटेज संरक्षण और यातायात व्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं में लखनऊ के वृन्दावन योजना सेक्टर-15 में प्रस्तावित इंटरनेशनल एक्जीबिशन-सह-कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए पुनरीक्षित लागत को स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट फैसलों में राजधानी के ऐतिहासिक घरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से रोशन-उद-दौला भवन और छतर मंजिल को एडाप्टिव रि-यूज के तहत पीपीपी मॉडल पर विकसित करने और परिवहन सुविधा के लिए दुबग्गा चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण करने की परियोजना की स्वीकृति शामिल हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में लखनऊ में नागरिक सुविधाओं के विकास के लिए इंटरनेशनल एक्जीबिशन-सह-कन्वेंशन सेंटर की पुनरीक्षित लागत को स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट ने लखनऊ की वृन्दावन योजना, सेक्टर-15 में प्रस्तावित इंटरनेशनल एक्जीबिशन-सह-कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए पहले 1297.42 करोड़ रुपये की लागत को स्वीकृत किया था।

खिलाड़ियों की चोट से बढ़ी केकेआर की चिंता, बल्लेबाजी दिख रही मजबूत

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने से पहले ही खिलाड़ियों की चोट से चिंतित है। केकेआर कागजों में मजबूत है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों की चोट और कुछ खिलाड़ियों के अनुपलब्ध रहने से टीम का संयोजन बिगड़ रहा है। आइए जानते हैं केकेआर टीम के बारे में तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम आईपीएल 2026 में अपना दम दिखाने उतरेगी। टीम के लिए पिछला सीजन अच्छा नहीं रहा था और इसके बाद उसने अपने कोचिंग स्टाफ के साथ ही टीम में कई बदलाव किए। केकेआर एक बार फिर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरेगी, लेकिन टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता उसके खिलाड़ियों की चोट है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं, जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अब तक टूनार्मेंट में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिला है। कागजों पर केकेआर किस तरह मजबूत टीम के पास सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती हैं जो स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार हैं। अजिंक्य रहाणे अनुभव प्रदान करते हैं, कैमरन ग्रीन उन्हें आधुनिक बल्लेबाजी संतुलन वाली प्लेइंग इलेवन बनाने का मौका देते हैं। केकेआर के पास प्रतिद्वंद्वी और मैदान के अनुसार टीम में बदलाव करने के लिए पर्याप्त विदेशी

खिलाड़ी मौजूद हैं। टीम के पास फिन एलेन और टिम सीफर्ट जैसे बल्लेबाज हैं, जबकि मध्य क्रम में अंगकृष रघुवंशी, राहुल त्रिपाठी, अनुकूल रॉय और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी हैं। गेंदबाजी आक्रमण क्यों दिख रहा कमजोर? केकेआर इस सीजन में भारतीय तेज गेंदबाजों के कमजोर विकल्पों के साथ उतर रही है। आकाश दीप और हर्षित राणा बाहर हैं और मथीशा पथिराना के अप्रैल के मध्य से ही खेलने की उम्मीद है। भारतीय गेंदबाजों में केकेआर के पास वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कार्तिक त्यागी, वरुण, रमनदीप सिंह और प्रशांत सोलंकी हैं। विदेशी गेंदबाजों में सुनील नरेन, कैमरन ग्रीन और ब्लेसिंग मुजरबानी हैं, लेकिन सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही टीम उतार सकती है। ऐसे में केकेआर के लिए गेंदबाजी विभाग में संतुलन बैठाना चुनौती होगी। बल्लेबाजी है मजबूत पक्ष इस टीम की सबसे बड़ी ताकत वही है जिसने केकेआर के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट को परिभाषित किया है। वे मध्य ओवरों में अधिकांश टीमों से बेहतर गेंदबाजी कर सकते हैं। वरुण चक्रवर्ती इस प्रारूप में विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 21 विकेट लिए थे और 2026 टी20 विश्व कप में उन्होंने 14 विकेट लिए थे, जो टूनार्मेंट में संयुक्त रूप से सबसे अधिक थे। वहीं, सुनील नरेन अपना अनूठा दोहरा योगदान देते रहते हैं। यह संयोजन महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें बेहतर प्लेइंग इलेवन बनाने में मदद मिलती है। वहीं, एलेन, सीफर्ट और ग्रीन टीम के लिए तेजी से रन बना सकते हैं। टीम की बल्लेबाजी लाइन अप को देखें तो केकेआर मजबूत नजर आ रही है। वहीं, रिंकू सिंह तो टीम के स्टार खिलाड़ी हैं जो आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। कहां दिख रही कमी? इस टीम की सबसे बड़ी समस्या तेज गेंदबाज आक्रमण में कम विकल्प है। आकाश दीप टीम से बाहर हैं। हर्षित राणा पूरे सीजन के लिए टीम से बाहर हैं। इसका मतलब है कि केकेआर को सीजन की शुरूआत दो भरोसेमंद भारतीय तेज गेंदबाजों के बिना करनी होगी। एक बेहतरीन टी20 टीम को यह अच्छी तरह पता होता है कि किन भूमिकाओं में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। केकेआर अभी उस स्तर पर पूरी तरह नहीं पहुंची है। कप्तान रहाणे की भूमिका स्पष्ट है। नरेन की भूमिका भी स्पष्ट है। रिंकू तो जाहिर तौर पर टीम के केंद्र में हैं, लेकिन इसके बाद कई सवाल उठते हैं। रचिन रवींद्र और ग्रीन में से टीम किसी एक खिलाड़ी को ही प्लेइंग-11 में जगह दे सकती है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि किसे मौका मिलता है। एक सवाल ये भी है कि क्या 2025 सीजन में 96.49 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 55 रन बनाने वाले राहुल त्रिपाठी पर भरोसा किया जा सकता है? इस बल्लेबाजी यूनिट में सुधार के रास्ते तो हैं, लेकिन साथ ही चयन को लेकर भी काफी उलझन है। सैद्धांतिक रूप से तो कई खिलाड़ी टीम में फिट बैठते हैं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह पक्की नहीं लगती। ग्रीन-रिंकू पर रहेगी नजरें केकेआर के पास अब आंद्रे रसेल जैसा ऑलराउंडर नहीं है। ऐसे में ग्रीन पर सभी की नजरें होंगी जो बल्लेबाजी को मजबूत देने के साथ ही गेंदबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। इसके अलावा अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह पर टीम के बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करने की जिम्मेदारी होगी। घरेलू मैदान पर केकेआर को हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता और ईडेन गार्डेंस पर टीम ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना चाहेगी। आईपीएल 2026 के लिए केकेआर की टीमः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, कैमरन ग्रीन, फिन एलेन, तेजस्वी दहिया (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रोवमैन पोवेल, अनुकूल रॉय, सार्थक रंजन, दक्ष कमरा, रचिन रवींद्र, रमनदीप सिंह, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, प्रशांत सोलंकी, उमरान मलिक, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे।

कौन हैं सौरभ दुबे? केकेआर ने आकाश दीप की जगह किया टीम में शामिल, 2022 में सनराइजर्स का रहे थे हिस्सा

कोलकाता। 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आकाश दीप की जगह सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है। दुबे पहले 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रह चुके हैं। यह युवा खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर चुका है और अब ढ्ढछ में खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। आईपीएल 2026 की शुरूआत से पहले ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को एक और बड़ा झटका लगा है। क्रिकबज की खबर के अनुसार, आकाश दीप आगामी सीजन से बाहर हो गए हैं। आकाश की जगह पर केकेआर ने सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है। सौरभ इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल 2022 के ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने सौरभ दुबे को 20 लाख में खरीदा था। हालांकि, सौरभ को आईपीएल में डेब्यू करने का मौका नहीं मिल सका था। आईपीएल 2026 के ऑक्शन में सौरभ ने अपना बेस प्राइस 30 लाख रखा था, लेकिन उन्हें खरीदने में किसी भी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। क्रिकबज के मुताबिक, सौरभ पहले से ही केकेआर टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ घरेलू क्रिकेट में विदर्भ की ओर से खेलते हैं। सौरभ ने अब तक लिस्ट-ए क्रिकेट में 8 मुकाबले खेले हैं और 16 विकेट चटकाए हैं। वहीं, वह 3 टी20 मैच भी खेल चुके हैं। साल 2019 में खेले गए एसीसी इमर्जिंग एशिया कप में दुबे भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। लिस्ट-ए क्रिकेट के अपने डेब्यू मुकाबले में सौरभ ने नेपाल के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 26 रन देकर चार विकेट निकाले थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया था। उन्होंने टूनार्मेंट में कुल 7 विकेट झटके थे। केकेआर का तेज गेंदबाजी अटैक इस सीजन काफी कमजोर नजर आ रहा है। खबरों के अनुसार, हर्षित राणा और आकाश दीप टूनार्मेंट से बाहर हो चुके हैं। वहीं, मथीशा पथिराना शुरूआती मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। खिलाड़ियों की इंजरी से केकेआर का खेमा काफी परेशानी में दिख रहा है। आईपीएल 2025 में केकेआर का प्रदर्शन अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में निराशाजनक रहा था। टीम 14 में से सिर्फ पांच मैच ही जीत सकी थी, जबकि सात मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, फिन एलेन, टिम साइफर्ट और कैमरून ग्रीन के टीम में आने से कोलकाता का बैटिंग ऑर्डर जरूर इस सीजन दमदार दिख रहा है। एलन ने टी20 विश्व कप 2026 में सिर्फ 33 गेंदों में शतक लगाया था।

धोनी का दिल जीतने वाला अंदाज, सरफराज के बेटे संग खेलते आए नजर

नई दिल्ली। धोनी का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह सरफराज खान के छोटे बेटे के साथ सीएसके कैंप में खेलते नजर आ रहे हैं। आईपीएल 2026 की तैयारियों के बीच इस क्यूट पल ने फैंस का दिल जीत लिया और टीम के सकारात्मक माहौल की झलक भी दिखाई। आईपीएल 2026 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कैंप से एक बेहद प्यारा वीडियो सामने आया है, जिसमें टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी युवा बल्लेबाज सरफराज खान के बेटे के साथ खेलते हुए दिखाई दिए। सरफराज का बेटा अभी एक साल का है और धोनी के साथ मस्ती का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

हो रहा है। सरफराज के बेटे संग मस्ती करते नजर आए धोनी यह वीडियो सरफराज खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया। वीडियो में धोनी बच्चे के साथ गेंद उछालते हुए और मजेदार अंदाज में समय बिताते नजर आ रहे हैं। मैदान पर अपने शांत स्वभाव के लिए मशहूर धोनी का यह रूप फैंस को काफी पसंद आया। फैंस ने इस वीडियो पर जमकर प्यार लुटाया और कमेंट्स में धोनी की सादगी और विनम्रता की तारीफ की। आईपीएल से पहले इस तरह के पल टीम के अंदर सकारात्मक माहौल और खिलाड़ियों के बीच मजबूत बॉन्डिंग को भी दिखाते हैं। सरफराज 21 अक्तूबर 2024 को पिता बने थे। खास बात यह है कि बेटे के जन्म से ठीक दो दिन पहले सरफराज ने बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक (150 रन) जड़ा था। सरफराज खान का हालिया फॉर्म सरफराज खान आईपीएल 2026 में अच्छी फॉर्म के साथ उतर रहे हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ 150 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी उन्होंने 329 रन बनाए, जिसमें असम के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 100 और राजस्थान के खिलाफ 22 गेंदों में 73 रन की तेज पारी शामिल रही। चेन्नई का शुरूआती कार्यक्रम सीएसके अपना अभियान 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद टीम तीन अप्रैल को अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स से भिड़ेगी और फिर पांच अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

विदेशी क्रिकेटरों को मिली धमकी! इसके बावजूद लाहौर पहुंचे स्टीव स्मिथ

लाहौर। धमकियों के बीच स्टीव स्मिथ पीएसएल 2026 के लिए लाहौर पहुंच गए, जहां सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कुछ विदेशी खिलाड़ी टूनार्मेंट से हट चुके हैं, जबकि पीसीबी

ने शेड्यूल में बदलाव किए हैं। ऐसे में पूरे टूनार्मेंट की सुरक्षा और सफल आयोजन पर सबकी नजरें टिकी हैं। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 से पहले सुरक्षा को लेकर जारी तनाव के बीच स्टीव स्मिथ सोमवार तड़के लाहौर पहुंच गए। विदेशी खिलाड़ियों को मिली धमकियों के बावजूद स्मिथ का पाकिस्तान पहुंचना चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में स्मिथ को भारी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए देखा गया। द संडे गार्डियन के मुताबिक, स्मिथ धमकियों को नजरअंदाज कर लाहौर पहुंचे हैं। उनके चारों ओर पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी साफ तौर पर बढ़ी हुई सतर्कता को दशार्ती है। क्यों दी जा रही है चेतावनी? पाकिस्तान के सशस्त्र संगठन 'जमात-उल-अहरार' ने पीएसएल 2026 में हिस्सा लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को चेतावनी दी और आतंक फैलाया। संगठन का कहना है कि वह क्रिकेट के खिलाफ नहीं है, लेकिन मौजूदा सुरक्षा हालात अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए उपयुक्त नहीं हैं। द संडे गार्डियन के मुताबिक, संगठन ने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों को पाकिस्तान नहीं आना चाहिए और अगर वे आते हैं, तो उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। ने बदला टूनार्मेंट का फॉर्मेट पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी हालात को देखते हुए बड़े बदलाव किए हैं। अब ढरछ 2026 केवल दो शहरों, कराची और लाहौर में खेला जाएगा। पेशावर, मुल्तान, रावलपिंडी और फैसलाबाद जैसे शहरों को शेड्यूल से हटा दिया गया है। इसके अलावा, मुकाबले बंद दरवाजों के पीछे कराए जाएंगे, यानी दर्शकों की एंट्री नहीं होगी। विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी पर असर इस बार पीएसएल में स्टीव स्मिथ के अलावा मार्नस लाबुशेन, एडम जैम्पा, डेवोन कॉनवे और मोईन अली जैसे बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि, कुछ खिलाड़ी पहले ही टूनार्मेंट से हट चुके हैं। इनमें ब्लेसिंग मुजरबानी और दासुन शनाका आईपीएल खेलने जा रहे हैं, जबकि अन्य में टायमल मिल्स, गुडाकेश मोती, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, ओटनील बार्टमैन और स्पेंसर जॉनसन जैसे बड़े स्टार शामिल हैं। हालांकि, इनमें से ज्यादातर खिलाड़ियों ने निजी कारणों का हवाला दिया है। ढरछ इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने स्मिथ स्मिथ पीएसएल 2026 में इतिहास रच चुके हैं। उन्हें सियालकोट स्टैलियंस ने पीकेआर 14 मिलियन (करीब 4.5 करोड़ भारतीय रुपये) में खरीदा, जिससे वह लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। यह उनका पहला पीएसएल सीजन होगा और वह शानदार फॉर्म में भी हैं। हाल ही में बिग बैश लीग में उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए छह मैचों में 299 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 59.80 और स्ट्राइक रेट 167.97 रहा। ढरछ 2026 पर टिकी नजरें पाकिस्तान सुपर लीग का आगाज लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा, जहां डिफेंडिंग चैंपियन लाहौर कलंदर्स का मुकाबला हैदराबाद किंग्समेन से होगा। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए टूनार्मेंट के सफल आयोजन और खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

किस कारण न्यूजीलैंड क्रिकेट में मचा घमासान? निदेशक ने अचानक दे दिया इस्तीफा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने घरेलू टी20 लीग का नाम बदलने की ओर कदम बढ़ाए हैं, लेकिन इसे लेकर बोर्ड के अंदर मतभेद नजर आ रहे हैं। दरअसल, इस घटनाक्रम के बाद अचानक से न्यूजीलैंड क्रिकेट के निदेशक डियोन नैश ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने घरेलू टी20 ढांचे को नया रूप देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है और 21 साल पुराने सुपर स्मैश के प्रतिस्थापन के रूप में प्रस्तावित एनजेड20 फ्रेंचाइजी लीग का समर्थन किया है। इस फैसले के बाद सवाल उठ रहे है कि ये न्यूजीलैंड क्रिकेट में किसी विवाद को पैदा कर रहा है, क्योंकि न्यूजीलैंड क्रिकेट के निदेशक ने अचानक ही इस्तीफा दे दिया है। घरेलू टी20 लीग का नाम बदलने को मिली मंजूरी न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने एनजेड20 लीग को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है जो छह टीमों वाली एक निजी स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी प्रतियोगिता है। ये लीग जनवरी 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, शासी निकाय ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय प्रमुख वाणिज्यिक, शासन और संरचनात्मक समझौतों को अंतिम रूप दिए जाने पर निर्भर है। बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेतापु लिंडन ने इस बात पर जोर दिया कि प्रस्ताव को और विकसित करने की आवश्यकता होगी, विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि महिला घरेलू टी20 प्रतियोगिता को नई संरचना में पूरी तरह से एकीकृत किया जाए। उन्होंने कहा, हम एनजेड20 के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इसमें महिला घरेलू टी20 प्रतियोगिता को शामिल किया जाए और उसका समर्थन किया जाए। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की महिला क्रिकेट के प्रति रणनीतिक प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रमुखता और दृश्यता का स्तर बनाए रखे। नैश के इस्तीफे से मिले संकेत हालांकि, इस घोषणा के तुरंत बाद एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया जिसमें न्यूजीलैंड के क्रिकेट निदेशक डियोन नैश ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड में अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नैश ने कहा कि वह अब संगठन की भावी दिशा और उसमें अपनी भूमिका के साथ तालमेल नहीं बिठा सकते।

यूपी के 14.2 करोड़ के प्रशांत वीर के ये शॉट्स देखे क्या?

चेन्नई। आईपीएल 2026 से पहले वायरल वीडियो में 14.2 करोड़ के प्रशांत वीर ने शानदार शॉट्स खेलकर सबको प्रभावित किया। उनके खेल को देखकर धोनी भी खुद को तारीफ करने से नहीं रोक पाए। इस प्रदर्शन ने युवा खिलाड़ी की प्रतिभा और बड़े मंच पर उनकी तैयारी को उजागर किया। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपने आईपीएल 2026 के अभियान की शुरूआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला गुवाहाटी में खेला जाएगा। पिछले दो सीजन में प्लेऑफ

का मौका चूकने के बाद अब इस टीम की नजर छठी बार खिताब जीतने पर होगी। साल 2025 में आखिरी स्थान पर रहने के बाद सीएसके ने इस सीजन की तैयारी के लिए कुछ युवा अनकैप्ड खिलाड़ियों को अपनी टीम से जोड़ा। इनमें राजस्थान के कार्तिक शर्मा और यूपी के प्रशांत वीर को 14.2 करोड़ रुपये में शामिल करना, सबसे चौंकाने वाला रहा। इन दोनों युवा सितारों को घरेलू क्रिकेट में बेहद दमदार माना जाता है और यही वजह रही कि सीएसके ने इन पर काफी पैसे खर्च किए। अब ये दोनों सीएसके के नेट्स सेशन में बड़े-बड़े गेंदबाजों के भी छक्के छुड़ा रहे हैं। धोनी ने बढ़ाया प्रशांत का आत्मविश्वास हाल ही में सीएसके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें यूपी के प्रशांत वीर नेट्स में बल्लेबाजी करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो की सबसे खास बात यह है कि सीएसके के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी पीछे खड़े दिख रहे हैं और प्रशांत की बैटिंग पर पैनी नजर रखे हुए हैं। हालांकि, प्रशांत इस दौरान अपने रेंज ऑफ शॉट्स दिखाते हैं। कभी वह सामने की तरफ और कभी स्कूप करते नजर आते हैं। धोनी प्रशांत की सूझबूझ का लुत्फ उठाते दिखे और पीछे से उनकी तारीफ करते और उनका आत्मविश्वास बढ़ाते नजर आए। धोनी ने प्रशांत की जमकर तारीफ की वीडियो की शुरूआत में वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने उत्साहित होकर कहा, 'शॉट!' अगली गेंद पर वीर ने बेहतरीन स्कूप शॉट खेला, जिस पर धोनी ने बाउंड्री का इशारा किया। इसके बाद वीर ने जोरदार स्ट्रेट ड्राइव लगाया, और धोनी ने एक बार फिर पूरे जोश के साथ कहा, 'शॉट!' इरफान पठान ने बताया असली चैलेंज इससे पहले, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा कि आईपीएल में नए खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव को संभालना होती है, खासकर उन खिलाड़ियों के लिए जिन्हें नीलामी में बड़ी रकम मिलती है। उन्होंने कहा, 'सबसे बड़ी बात यह है कि आप दबाव को कैसे संभालते हैं। आईपीएल ऐसा टूनार्मेंट है जहां आप एक दिन हीरो बन सकते हैं और अगले दिन गायब हो सकते हैं।' महंगे खिलाड़ियों पर बढ़ता दबाव पठान ने आगे कहा, 'हमने कई ऐसे खिलाड़ियों को देखा है जो नीलामी में बड़ी रकम पाते हैं, लेकिन अगले सीजन में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते और फिर टीम में जगह भी नहीं मिलती।' उन्होंने खास तौर पर प्रशांत वीर का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं देखना चाहूंगा कि 14 करोड़ रुपये से ज्यादा में खरीदे गए प्रशांत वीर दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं, जब उन्हें मौका मिलेगा।' पठान ने कहा, 'खासकर आखिरी चार ओवरों में, चाहे वह बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी, जब टीम को ब्रेकथ्रू चाहिए और दोनों तरफ से हमला हो रहा हो, तब वह उस स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, यही असली परीक्षा होगी।'

अरुंधति रेड्डी बनीं फरवरी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर पुरुषों में इस खिलाड़ी को अवॉर्ड

दुबइ। आईसीसी ने फरवरी के लिए अरुंधति रेड्डी और साहिबजादा फरहान को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना। रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की, जबकि फरहान ने टी20 वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने फरवरी महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का एलान कर दिया है। भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए यह सम्मान मिला है। अरुंधति रेड्डी का ऑस्ट्रेलिया में कमाल अरुंधति रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए भारत को 2-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने तीन

मैचों में 4/22, 2/30 और 2/35 के आंकड़े दर्ज किए और सीरीज की सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उनका औसत 10.87 और इकॉनमी 7.25 रहा, जो उनकी शानदार फॉर्म को दशार्ता है। रेड्डी ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सम्मान की बात है। ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में हराना आसान नहीं होता, इसलिए यह अवॉर्ड और भी खास बन जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और हम इंग्लैंड-वेल्स में होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' फरहान ने तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड दूसरी ओर साहिबजादा फरहान ने पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। उन्होंने एक ही संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ते हुए विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। इसके अलावा वह टूनार्मेंट के एक सीजन में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बने। फरहान ने सात टी20 मैचों में 383 रन बनाए, उनका औसत 76.60 और स्ट्राइक रेट 160.25 रहा। उनकी पारियां टूनार्मेंट में सबसे प्रभावशाली रहीं। शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और टीम की सफलता में बड़ा योगदान दिया। जहां रेड्डी ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया, वहीं फरहान ने बल्लेबाजी में नए रिकॉर्ड कायम किए।

आईपीएल में दिल्ली के लिए किस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे केएल राहुल? कोच हेमांग बदानी ने दिया जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के पिछले सीजन में ओपनिंग क्रम में काफी प्रयोग किए थे। लेकिन फ्रेंचाइजी इस बार ओपनिंग में स्थिरता चाहती है। यही कारण है कि केएल राहुल से पारी का आगाज कराने का फैसला किया गया है। भारत और दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल आईपीएल 2026 में ओपनिंग करने उतरेंगे। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस बल्लेबाज से ही पारी का आगाज कराएगी। इसकी पुष्टि फ्रेंचाइजी ने टूनार्मेंट शुरू होने से पहले कर दी है। आईपीएल 2026 सीजन की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है और लीग के शुरू होने से पहले दिल्ली के मुख्य कोच हेमांग बदानी और क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने कहा कि दिल्ली की टीम इस सीजन शीर्ष क्रम की परेशानी दूर करना चाहेगी। पिछले सीजन दिल्ली ने किए कई प्रयोग पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल में सात सलामी बल्लेबाजों की जोड़ी के संयोजनों का इस्तेमाल किया। उन्होंने फाफ डुप्लेसिस और जेक फ्रेजर-मैकगर्क के साथ शुरूआत की, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खराब फॉर्म ने उन्हें नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया। बार-बार बदलाव के कारण टीम में अस्थिरता आ गई और शीर्ष क्रम में 13 बार तक बदलाव किए गए। इस अस्थिरता का असर उनकी शुरूआती बल्लेबाजी पर पड़ा, जिससे अक्सर मध्य क्रम के बल्लेबाजों को काफी मेहनत करनी पड़ती थी। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ अपने पहले मैच से पहले बदानी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में टी20 क्रिकेट में सलामी जोड़ी की साझेदारी निर्णायक साबित हुई है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने बताया कि इस सीजन में भी टीम केएल राहुल को ही शीर्ष क्रम में खिलाएगी। केएल राहुल का प्रदर्शन आईपीएल 2024 सीजन के समापन के बाद लखनऊ सुपर जाएंट्स ने केएल राहुल को रिलीज कर दिया था।

डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से होगा, हरमनप्रीत-मंधाना होंगी आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच शुक्रवार को मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के जीत के साथ सत्र की शुरूआत करना चाहेंगी। आइए जानते कि आप ये मुकाबला कब और कहां देख सकेंगे। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरूआत शुक्रवार से हो रही है। टूनार्मेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर मुंबई मजबूत कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है।

फैशन शो में अनीत पड्डा ने लगाए चार चांद, 'आउट ऑफ ऑफिस' कलेक्शन ने जीता फैंस का दिल

इन दिनों मुंबई में चल रहे फैशन वीक में बॉलीवुड की कई हस्तियां हिस्सा ले रही हैं। इसी बीच 'सैयारा' फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा भी इस फैशन शो में शामिल हुईं और रैंप पर नजर आईं। मंबई में चल रहे फैशन वीक में सितारे रैंप पर जलवा बिखेर रहे हैं। रविवार को जहां अदिति राव हैदरी ने रैंप वॉक करके फैंस का दिल जीता, वहीं 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा भी रैंप पर बेहद खूबसूरत लगीं। अनीत, डिजाइनर अनीत अरोड़ा के लिए शो स्टॉपर रहीं। अनीत पड्डा ने बिखेरा जलवा जियो कंवेंशनल सेंटर में चल रहे इस फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में 'आउट ऑफ ऑफिस' स्टाइल फैशन शोकेस किया गया। इस मौके पर अनीत की मशहूर ड्रेस डिजाइनर अनीत अरोड़ा के डिजाइन किए हुए फॉल विंटर कलेक्शन को शोकेस किया। सफेद और ब्लू पैलेट इस ड्रेस में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही थीं। ब्लू लहंगे में अदिति ने किया रैंप वॉक अनीत से पहले अदिति ने भी शो में रैंप वॉक की। उन्होंने शानदार मिडनाइट ब्लू लहंगे में रनवे पर जबरदस्त एंट्री की। सत्य पॉल की डिजाइन की इस ड्रेस ने फैंस का काफी ध्यान खींचा। इस ड्रेस में एक लहराता हुआ स्कर्ट था जिस पर बारीक प्रिंट बने थे। इसके साथ अभिनेत्री ने एक बोल्ड, ब्रालेट-स्टाइल का ब्लाउज पहना था जिसका गला काफी गहरा था। इसमें एक मॉडर्न टच देने के लिए, उन्होंने इस लुक के ऊपर एक लंबा, स्ट्रक्चर्ड ट्रेंच कोट पहना, जिससे पारंपरिक पहनावे को एक आधुनिक लुक मिला। कौन-कौन हुआ शामिल? इस फैशन वीक में अब तक डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, शनाया कपूर, सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कल्कि कोचलिन और दिशा पाटनी समेत कई सेलेब्स शामिल हो चुके हैं। ये सभी अलग-अलग डिजाइनर्स के लिए शो स्टॉपर रहे और उनका कलेक्शन शोकेस करते नजर आए।

इस फेमस एक्ट्रेस का 51 साल की उम्र में निधन, ब्रेस्ट कैंसर ने ली जान

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। फेमस अमेरिकन सीरीज आईजॉम्बी और सुपरनैचुरल में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस कैरी ऐन फ्लेमिंग अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उनका 51 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। यह दुखद समाचार आते ही फैंस और इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि कैरी ऐन फ्लेमिंग पिछले कुछ समय से ब्रेस्ट कैंसर की बीमारी से जूझ रही थीं। उनके प्रतिनिधियों के अनुसार, इसी साल 26 फरवरी को कनाडा के एक अस्पताल में जांच के दौरान उन्हें इस बीमारी का पता चला था। दुर्भाग्यवश, बीमारी का पता चलने के कुछ ही समय बाद वो इस दुनिया को अलविदा कह गईं। एक्ट्रेस के प्रतिनिधि ने बताया कि कैरी ने अपने परिवार की मौजूदगी में बेहद शांतिपूर्वक तरीके से इस दुनिया से विदा ली। उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व और एक दयालु इंसान के रूप में याद किया गया। उनकी टीम ने कहा, ह्लकैरी को जानना हमारे लिए सौभाग्य की बात थी, उनकी कमी हमेशा खलेगी। बता दें, कैरी ऐन फ्लेमिंग ने अपने करियर की शुरूआत साल 1994 में टीवी शो वाइपर से की थी। इसके बाद वह मास्टर्स ऑफ हॉरर, द टूथ फेयरी और ब्लडसकर्स जैसे शो में नजर आईं और अपनी एक्टिंग से दर्शकों का खूब दिल जीता। आईजॉम्बी और सुपरनैचुरल जैसी सीरीज ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय लेवर पर पहचान दिलाई। अब कैरी के निधन से उनके चाहने वाले गहरे सदमे में हैं।

धुरंधर 2 की सफलता के बीच पत्नी दीपिका संग लंच डेट पर निकले रणवीर सिंह, सेल्फी के लिए बेकाबू हुए फैंस

एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म धुरंधररू द रिवेंज को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। फिल्म के एक्टर की एक्टिंग को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। धुरंधर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे रणवीर सिंह को जब हाल ही में पत्नी दीपिका पादुकोण संग लंच डेट पर स्पॉट किया गया तो यह साधारण आउटिंग देखते ही देखते एक जश्न में बदल गई। फैंस ने सेल्फी के लिए कपल को घेर लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में रणवीर और दीपिका एक मशहूर सीफूड रेस्टोरेंट से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही वे बाहर आए, वहां पहले से मौजूद फैंस की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। रणवीर को देखते ही फैंस जोर-जोर से उनका नाम लेने लगे और बब्बर शेरह्व के नारे लगाने लगे। कई फैंस उन्हें धुरंधर 2 का असली हीरो बता रहे थे। यह नजारा देखकर दीपिका पादुकोण भी मुस्कुराती नजर आईं। भीड़ के बीच भी रणवीर सिंह ने अपने फैंस का गर्मजोशी से अभिवादन किया। उनके आसपास मौजूद सिक्योरिटी और बाउंसर्स ने भीड़ को संभालते हुए उनके लिए रास्ता बनाया, ताकि वह सुरक्षित अपनी कार तक पहुंच सकें। हमेशा की तरह रणवीर ने अपनी एनर्जी और विनम्रता से फैंस का दिल जीत लिया। फिल्म धुरंधर द रिवेंज 19 मार्च को रिलीज हुई थी और अब तक 500 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। कहानी में हमजा अली मजारी के किरदार को आगे बढ़ाया गया है, जो अब शेर-ए-बलूच बनकर ल्यारी की कमान संभालता है। फिल्म में यह भी दिखाया गया है कि पंजाब का जसकिरत सिंह रंगी कैसे हमजा अली मजारी बनता है। इसमें रणवीर सिंह ने अपने किरदार को दोहराया है, जबकि आर माधवन, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल समेत कई कलाकार अपनी-अपनी भूमिकाओं में नजर आए हैं।

मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व..जया प्रदा ने की रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की तारीफ, लोगों से भी की देखने की अपील

रणवीर सिंह की हालिया रिलीज हुई फिल्म धुरंधर द रिवेंज का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म को दर्शकों के पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं। फैंस के साथ कई सेलेब्स भी धुरंधर 2 की तारीफ कर चुके हैं। वहीं, अब हाल ही में एक्ट्रेस जया प्रदा ने भी फिल्म देखी और इसकी जमकर तारीफ की। जया प्रदा ने हाल ही में ।छप् से बात करते हुए सभी से फिल्म धुरंधर द रिवेंज देखने की अपील की और इसके सभी कलाकारों की जमकर तारीफ की। जया प्रदा ने कहा, श्यह एक शानदार फिल्म है। यह ऐसी फिल्म है जो लोगों ने इतने सालों से नहीं देखी है। मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व है। बुरी बातें कहना बहुत आसान होता है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने काम किया, जिस तरह से उन्होंने स्क्रिप्ट लिखी और जिस तरह से सभी कलाकारों ने इस फिल्म को सफल बनाने के लिए काम किया। मैं हर किसी से अपील करती हूं कि वे इस फिल्म को देखें और इसकी सराहना करें। बता दें, इससे पहले अल्लू अर्जुन, विजय देवरकोंडा और अनुपम खेर जैसे कई सितारों ने आदित्य धर निर्देशित फिल्म धुरंधर 2 की तारीफ कर चुके हैं। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा, संजय दत्त, आर माधवन, राकेश बेदी, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन जैसे सितारे लीड रोल में नजर आए हैं।

मांग में सिंदूर, माथे पर बड़ी बिंदी..साड़ी में बला की खूबसूरत लगीं सोनाक्षी सिन्हा, पत्नी के इश्क में डूबे दिखे जहीर इकबाल

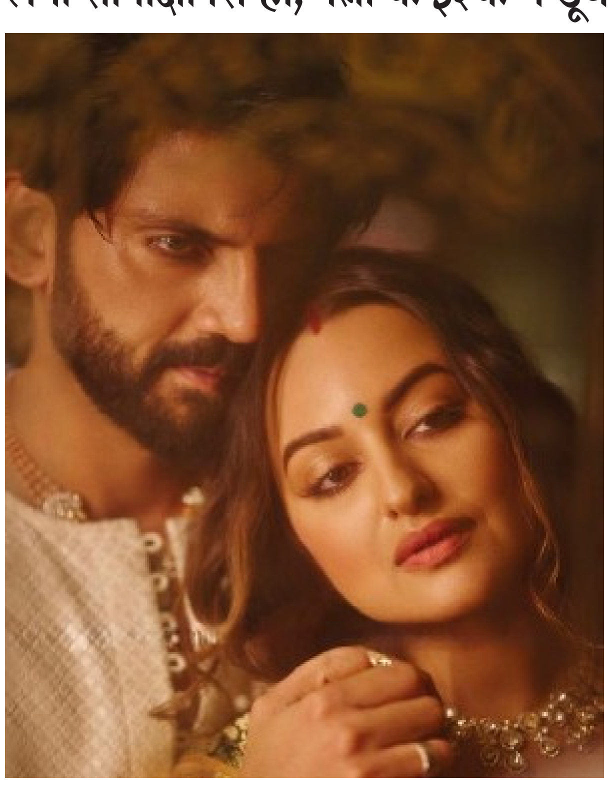

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड के उन कपल्स में शामिल हैं, जिन्होंने प्यार के लिए धर्म और जाति की सीमाओं को पीछे छोड़ दिया। यही वजह है कि फैंस को हर त्योहार पर इस जोड़ी की झलक का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस बार ईद के मौके पर भी दोनों ने अपने खास अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया। जहीर इकबाल ने अपने सोशल मीडिया पर सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। तस्वीरों में सोनाक्षी सिन्हा का ट्रेडिशनल लुक सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। उन्होंने साड़ी, चूड़ियां और गहनों के साथ मांग में सिंदूर लगाया हुआ है, जिसने उनके लुक को और भी खास बना दिया। उनका यह अंदाज न सिर्फ खूबसूरत है, बल्कि कई लोगों के लिए हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक भी बन गया। वहीं जहीर भी उनके साथ नजर आए और उनकी नजरें सोनाक्षी से हटती नहीं दिखीं। इन तस्वीरों में कपल एक-दूसरे के साथ बेहद करीब और रोमांटिक अंदाज में नजर आया। दोनों की केमिस्ट्री ने फैंस को खूब इंप्रेस किया। फोटोज शेयर करते हुए जहीर ने कैप्शन में लिखा, ईद मुबारक३ ईद में रोमांस डाल दिया। इस पर फैंस और सेलेब्स ने जमकर प्यार लुटाया और दोनों को ढेरों शुभकामनाएं दीं। बता दें, सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून 2024 को एक्टर जहीर इकबाल से शादी रचाई थी। कपल ने सात सालों की डेटिंग के बाद अपनी फैमिली और खास दोस्तों के बीच रजिस्टर मैरिज की थी।

सुंदर पूनम की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा; इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

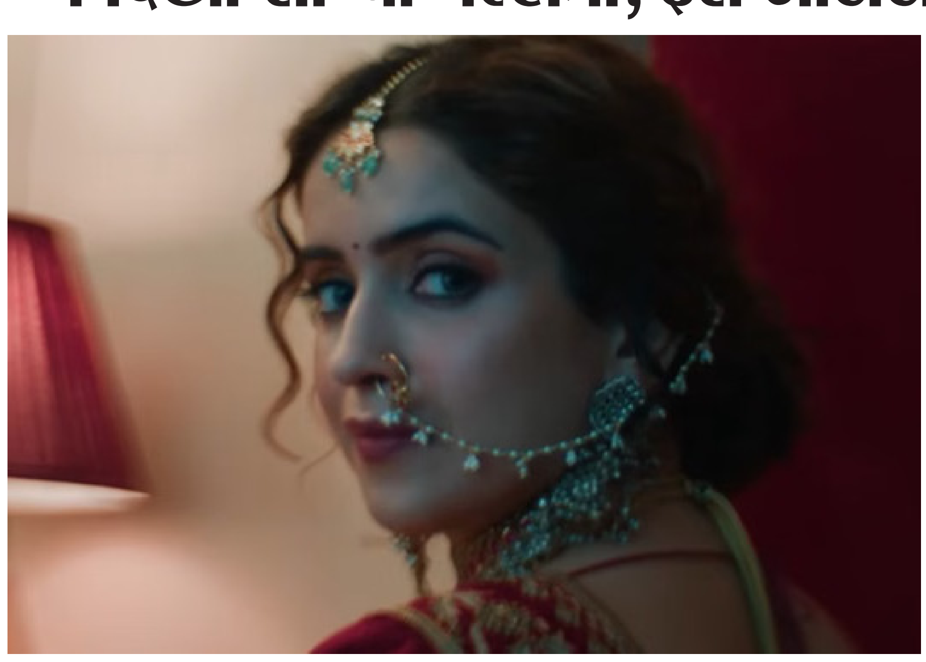

सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म सुंदर पूनम का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। एक्ट्रेस का लुक इस फिल्म में काफी रहस्यमयी दिख रहा है। यूजर्स को लगता है कि फिल्म सुंदर पूनम एक असल मर्डर से प्रेरित है। फिल्म सुंदर पूनम के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म सुंदर पूनम अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में क्या खास दिखा? सुंदर पूनम के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है। इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी ये फिल्म फिल्म सुंदर पूनम में सान्या मल्होत्रा के अलावा आदित्य रावल और विक्रम मल्होत्रा भी नजर आएंगे। फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। यह प्राइम वीडियो पर जल्द ही रिलीज होगी।

यूपी में 1.38 लाख एचआईवी मरीजों का उपचार, एआरटी केंद्रों पर निःशुल्क परामर्श और इलाज

लखनऊ (संवाददाता)। भारत में करीब 25.44 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं, जिनमें लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं और 2.75 प्रतिशत बच्चे शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में करीब 1.38 लाख एचआईवी संक्रमित व्यक्ति एआरटी केंद्रों पर निःशुल्क परामर्श, उपचार और दवा प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की ओर से सोमवार को राज्य सूचना विभाग के सभागार में एचआईवी,एड्स विषय पर राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी,एड्स से जुड़ी सही जानकारी का प्रसार, सामाजिक कलंक को कम करना और जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में मीडिया की भूमिका को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि एचआईवीध्एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका बेहद अहम है और संवेदनशील व तथ्यात्मक रिपोर्टिंग से समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सकता है। डॉ. संजय सोलंकी ने बताया कि एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिलाओं का समय पर इलाज कर नवजात को संक्रमण से बचाया जा सकता है। प्रदेश में 72 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें अब तक लगभग 62 लाख की स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का लक्ष्य वर्ष 2030 तक एचआईवी संक्रमण और एड्स से होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत तक कमी लाना है। इसके तहत प्रदेश में 399 आईसीटीसी केंद्र, 52 एआरटी केंद्र, 115 एसटीआईध्आरटीआई क्लीनिक, 102 लक्षित हस्तक्षेप परियोजनाएं और 373 रेड रिबन क्लब संचालित किए जा रहे हैं।

साथ रहने से मना किया तो दोस्त का काट दिया गला

सबके सामने 20 बार चाकू गोदकर उतारा मौत के घाट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के धारावी इलाके में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते अपने ही दोस्त पर चाकू से 20 से ज्यादा वार किए जिससे उसकी मौत हो गई। मुंबई के धारावी इलाके में दिनदहाड़े हुई एक हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया। यहां एक 20 साल के युवक की उसके ही दोस्त ने बड़ी बेरहमी से जान ले ली। आरोपी ने अपने दोस्त पर चाकू से 20 से ज्यादा वार किए और उसका गला भी रेत दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस खौफनाक वारदात के पीछे पुरानी रंजिश और आपसी विवाद की बात सामने आ रही है। दोस्त पर 20 से अधिक वार किए, फिर रेता गला पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अश्विन शिवकुमार नाडर के रूप में हुई है। उस पर उसके परिचित आशिक असीम अख्तर खान ने 20 से अधिक बार चाकू से हमला किया और उसका गला भी रेत दिया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी हाथ में खून से सना चाकू लेकर अश्विन के पास ही खड़ा था। चश्मदीदों ने पुलिस को बताया कि हमला करते समय आरोपी लगातार अश्विन को जान से मारने की धमकी दे रहा था। वह चिल्ला रहा था कि वह अश्विन को जिंदा नहीं छोड़ेगा। उसने यह भी धमकी दी कि जो कोई भी बीच-बचाव करने आएगा वह उसे भी मार डालेगा। इस खौफनाक मंजर को देखकर आसपास के लोग सहम गए। पुरानी रंजिश बनी मौत की वजह शुरूआती जांच में सामने आया कि अश्विन और आरोपी एक-दूसरे को पहले से जानते थे। उनके बीच काफी समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस को शक है कि अश्विन ने आरोपी के साथ रहने या रिश्ता रखने से मना कर दिया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने अश्विन की हत्या करने का प्लान बनाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। गंभीर रूप से घायल अश्विन को तुरंत सायन अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, घाव इतने गहरे थे कि अश्विन ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। लोकल ट्रेन के सामने पत्नी को दिया था धक्का मुंबई में अपराध की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले 17 मार्च को भी एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया था। वहां एक 42 साल के व्यक्ति ने घरेलू झगड़े के बाद अपनी पत्नी को चलती लोकल ट्रेन के सामने धक्का दे दिया था। इस हादसे में महिला की जान चली गई थी। वारदात के बाद आरोपी पति फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी तलाश में कई जगह छापेमारी की। आखिरकार रेलवे पुलिस की टीम ने उसे गुजरात के सूरत से गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि आरोपी पकड़े जाने से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था और अलग-अलग ट्रेनों से सफर कर रहा था।

दुनिया की अर्थव्यवस्था पर इस युद्ध का होगा बहुत बुरा असर, आईईए प्रमुख बोले- इससे कोई अछूता नहीं रह पाएगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इस्राइल और ईरान में युद्ध जारी है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख का एक बयान सामने आया है। उन्होंने इस युद्ध को एक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ा खतरा बताया। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने सोमवार को कहा कि ईरान युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक बहुत बड़ा खतरा का सामना करना पड़ रहा है। फातिह बायरोल ने सोमवार को कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया के नेशनल प्रेस क्लब में कहा ₹अगर देश इसी दिशा में आगे बढ़ता रहा तो कोई भी देश इस संकट के प्रभावों से अछूता नहीं रहेगा। ₹ उन्होंने कहा कि में संकट पश्चिम एशिया का संयुक्त प्रभाव 1970 के दशक के दो तेल संकटों और रूस-यूक्रेन युद्ध के गैस बाजारों पर पड़े प्रभाव से भी कहीं अधिक बुरा रहा है। उनकी ये टिप्पणी ऐसे समय आई है जब इस्राइल ने सोमवार सुबह तेहरान के खिलाफ हमलों की एक नई लहर शुरू की। एक

शीर्ष अमेरिकी कमांडर ने ईरानियों को निकट भविष्य के लिए आश्रयों में रहने के लिए भी कहा, जबकि ईरान ने अपने खाड़ी पड़ोसियों पर हमले तेज कर दिए और उनके बिजली संयंत्रों पर हमला शुरू करने की धमकी दी। बायरोल ने कहा कि इस क्षेत्र के नौ देशों में स्थित 40 ऊर्जा संपत्तियां गंभीर रूप से या बहुत गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि वह यूरोप और एशिया की सरकारों से अतिरिक्त भंडारित तेल जारी करने की संभावना के बारे में परामर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लहम देखेंगे, हम बाजारों का जायजा लेंगे। अगर जरूरी हुआ तो हम जरूर ऐसा करेंगे, लेकिन हम परिस्थितियों का जायजा लेंगे, बाजार का विश्लेषण और आकलन करेंगे और अपने सदस्य देशों के साथ चर्चा करेंगे।ह्व ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना शिकंजा कसने के मद्देनजर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तेहरान को सभी जहाजों के लिए रणनीतिक जलमार्ग खोलने के लिए 48 घंटे की समय सीमा दी है, और कहा है कि अन्यथा संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों को नष्ट कर देगा। ट्रंप ने मध्य पूर्व के समय क्षेत्र के अनुसार रविवार तड़के सोशल मीडिया पर धमकी भरी पोस्ट डाली।

शटडाउन संकट में फंसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

हवाईअड्डों की सुरक्षा में आव्रजन एजेंटों को उतारा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। आईसीई एजेंटों को हवाईअड्डे की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित नहीं किया जाता है। यह जिम्मेदारी टीएसए की है जिसके पास 65,000 कर्मचारी हैं। इनमें 50,000 हवाईअड्डा सुरक्षा अधिकारी शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर डेमोक्रेकट्स को घेरते हुए कहा कि ईरान के पतन के बाद अब अमेरिका की सबसे बड़ी दुश्मन कट्टरपंथी वामपंथी व बेहद अक्षम डेमोक्रेट पार्टी है। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट हमारे देश को उन अवैध प्रवासियों के हवाले करना चाहते हैं जिन्हें उन्होंने हमारी बेहद मजबूत सीमा से घुसपैठ करने की अनुमति दी है। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि सोमवार से आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंट हवाई अड्डों की सुरक्षा में लगे परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) की मदद करेंगे। शटडाउन संकट में फंसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) की मदद के लिए सोमवार से आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंटों को तैनात करने का आदेश दिया है। आंशिक शटडाउन के कारण अमेरिकी हवाईअड्डों पर कर्मचारियों की कमी हो गई जिसका खामियाजा यात्रियों को लंबे इंतजार के रूप में उठाना पड़ रहा है। ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सोमवार को आईसीई हवाईअड्डों पर जाकर हमारे शानदार टीएसए एजेंटों

की मदद करेगा। ये एजेंट इस तथ्य के बावजूद काम पर बने हुए हैं कि कट्टरपंथी वामपंथी डेमोक्रेट केवल हमारे देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले कट्टर अपराधियों की रक्षा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बिना वेतन काम कर रहे 50 हजार टीएसए कर्मचारी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंट मुख्य रूप से हवाईअड्डों पर आव्रजन नियंत्रण का प्रबंधन करते हैं। टीएसए कर्मचारियों की कमी के कारण हाल ही में यात्रियों को देश भर के हवाईअड्डों पर, विशेषकर सुरक्षा जांच में अधिक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। पिछले महीने, आंशिक सरकारी कामकाज ठप होने के कारण लगभग 50,000 टीएसए सुरक्षा कर्मचारियों को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। हवाईअड्डे की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित नहीं हैं आईसीई एजेंट आईसीई एजेंटों को हवाईअड्डे की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित नहीं किया जाता है। यह जिम्मेदारी टीएसए की है जिसके पास 65,000 कर्मचारी हैं। इनमें 50,000 हवाईअड्डा सुरक्षा अधिकारी शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन के आव्रजन संबंधी कड़े अभियान में आईसीई ने केंद्रीय भूमिका निभाई है जिसकी वजह से कई डेमोक्रेट, नागरिक स्वतंत्रता समर्थक और आव्रजन वकालत समूहों ने इसकी आलोचना की है। टीएसए के 400 से अधिक कर्मचारियों ने दिया इस्तीफा डीएचएस ने कहा कि 14 फरवरी को आंशिक शटडाउन शुरू होने के बाद से 400 से अधिक टीएसए कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया है। शटडाउन के लंबा खिंचने के साथ इस्तीफा और छुट्टी लेने वालों की संख्या में काफी वृद्धि होने की आशंका है। ट्रंप के पूर्व सहयोगी व उद्यमी एलन मस्क ने शनिवार को टीएसए कर्मचारियों के भुगतान के लिए धन उपलब्ध कराने की पेशकश की थी। डेमोक्रेट्स के फंड देने से इन्कार के बाद हुई समस्या यह शटडाउन तब शुरू हुआ जब डेमोक्रेट्स ने गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) को फंड देने से इन्कार कर दिया जिसमें टीएसए और आईसीई दोनों शामिल हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य इस बात पर अड़े हैं कि जब तक डीएचएस हिंसक आव्रजन प्रवर्तन नीतियों में बदलाव नहीं करता तब तक फंड स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

बेकाबू भीड़ ने कुकी जो काउंसिल अध्यक्ष के घर में घुसने कोशिश की, भीड़ को हटाने के लिए हुई हवाई फायरिंग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर में उग्रवादियों के छिपे होने के शक में भीड़ ने कुकी जो काउंसिल के अध्यक्ष के घर पर हमला कर दिया। भीड़ को रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस छोड़ी और हवाई फायरिंग की। मणिपुर के चुराचांदपुर शहर में रविवार को भारी तनाव देखा गया। यहां कुकी जो काउंसिल के अध्यक्ष एच थांगलेट के घर में भीड़ ने घुसने की कोशिश की। इस दौरान भीड़ को रोकने के लिए हवाई फायरिंग करनी पड़ी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार रात को हुई। क्यों हुआ विवाद? दरअसल, स्थानीय युवाओं को खबर

मिली थी कि अध्यक्ष के घर में कथित तौर कुछ उग्रवादी छिपे हुए हैं। इस बात से नाराज होकर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रविवार दोपहर को भीड़ ने अध्यक्ष के घर पर पथराव किया और अंदर घुसने की कोशिश की। उस समय सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को वहां से खदेड़ दिया था। हालांकि, रविवार रात को युवाओं ने एक बार फिर अध्यक्ष के घर में जबरन घुसने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ती देख वहां मौजूद हथियारबंद लोगों ने भीड़ को डराने और पीछे हटाने के लिए हवा में गोलियां चलाईं। एक अन्य इलाके में भी हुआ हंगामा अधिकारियों ने आगे बताया कि कुछ प्रदर्शनकारियों चुराचांदपुर शहर के पास तुइबोंग इलाके में भी हंगामा किया। कुछ लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर अपना विरोध जताया।

उड़ान के दौरान महिला की मौत, 13 घंटे शव के साथ यात्रा को मजबूर हुए यात्री

लंदन (एजेंसी)। सूत्र के हवाले से फॉक्स न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में बताया, कर्मचारियों ने इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि रसोई घर का फर्श गर्म था। आरोप है कि गर्मी के कारण तीखी गंध उत्पन्न हुई और उड़ान के दौरान केबिन के पिछले हिस्से में फैल गई। हांगकांग से लंदन जा रहे ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान में रविवार को एक महिला यात्री की मौत हो गई। उसकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। महिला के

शव को विमान के पीछे हिस्से में रख दिया गया जहां की फर्श गर्म थी। 13 घंटे से अधिक की उड़ान में शव से बदबू आने लगी। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा लेकिन पायलट ने आपात लैंडिंग कराने के बजाय यात्रा जारी रखी। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए32 के हांगकांग से उड़ान भरने के एक घंटे बाद ही महिला यात्री की मौत हो गई। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एयरबस ए350-1000 में चालक दल के सदस्यों के साथ 331 यात्री सवार थे। महिला की मौत के बावजूद पायलटों ने मार्ग बदलने या हांगकांग लौटने के बजाय हीथ्रो हवाईअड्डे तक यात्रा जारी रखने का फैसला किया। चालक दल के सदस्यों ने पहले शव को शौचालय में रखने पर विचार किया। बाद में शव को पीछे रसोई घर में ले जाया गया। एजेंसी लैंडिंग के बाद 45 मिनट पुलिस ने की विमान की जांच सूत्र के हवाले से फॉक्स न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में बताया, कर्मचारियों ने इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि रसोई घर का फर्श गर्म था।

पश्चिम एशिया संघर्ष से डरी शहबाज सरकार, फोड़ा महंगाई बम; सीधे 300 के पार पहुंचाए पेट्रोल के दाम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराये में और अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, टिकट कीमतों में 10,000 से 28,000 रुपये तक का इजाफा हुआ है, जबकि पश्चिम एशिया और मध्य एशियाई देशों के लिए किराये में करीब 15,000 रुपये तक की बढ़ोतरी देखी गई है। पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा संसाधनों से लदे कई वाणिज्यिक जहाज फंसे हुए हैं। इस बीच पाकिस्तान ने हाई-ऑक्टेन ईंधन की कीमत में भारी बढ़ोतरी करते हुए इसे 100 पाकिस्तानी रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति लीटर

कर दिया है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लग्जरी वाहनों में इस्तेमाल होने वाले इस ईंधन पर टैक्स बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। यह फैसला रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की। बैठक में ईंधन कीमतों और आर्थिक राहत से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की गई। इसमें कानून एवं न्याय मंत्री आजम नजीर तरार, वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अत्ताउल्लाह तरार और पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पाकिस्तान में फूटा महंगाई बम रिपोर्ट के अनुसार, हाई-ऑक्टेन ईंधन की कीमत में इस बढ़ोतरी का असर सार्वजनिक परिवहन और हवाई यात्रा के किराए पर नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान सरकार ने इससे पहले 6 मार्च को भी वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के चलते पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। यह उछाल अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण घरेलू ऊर्जा लागत पर दबाव बढ़ने से आया था। उस समय पेट्रोल की कीमत 266.17 रुपये से बढ़ाकर 321.17 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी, जबकि डीजल की कीमत 280.86 रुपये से बढ़ाकर 335.86 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी। सरकार पहले भी बढ़ा चुकी है तेल की कीमतें इस बढ़ोतरी की घोषणा पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने उप प्रधानमंत्री इशाक डार और वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की थी। वहीं, 10 मार्च को जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तानी एयरलाइंस ने भी किराया बढ़ा दिया था। एयरलाइन सूत्रों के मुताबिक, घरेलू उड़ानों के टिकट में 2800 से 5000 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई, जो कराची से लाहौर, इस्लामाबाद और अन्य शहरों के लिए लागू है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराये में और अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, टिकट कीमतों में 10,000 से 28,000 रुपये तक का इजाफा हुआ है, जबकि पश्चिम एशिया और मध्य एशियाई देशों के लिए किराये में करीब 15,000 रुपये तक की बढ़ोतरी देखी गई है।

लंदन में यहूदी एम्बुलेंस सेवा के वाहनों में लगाई आग, घृणा अपराध की जांच शुरू

लंदन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच लंदन में यहूदी विरोधी घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। दरअसल लंदन में एक यहूदी एंबुलेंस सेवा के चार वाहनों में आग लगा दी गई। लंदन की पुलिस इस घटना को यहूदी विरोध से जोड़कर जांच कर रही है। लंदन में एक यहूदी चैरिटी संगठन की चार एम्बुलेंस गाड़ियों को

सोमवार तड़के आग के हवाले कर दिया गया। ब्रिटिश पुलिस इस घटना की जांच घृणा अपराध (हेट क्राइम) के तौर पर कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे यहूदी-विरोधी हमला बताया। उन्होंने कहा, 'मेरी संवेदनाएं यहूदी समुदाय के साथ हैं, जो आज सुबह इस भयावह खबर के साथ जागा है।' वाहनों में आग लगने के साथ हुए धमाके मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, आग लगने की घटना लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुई, जहां बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं। लंदन फायर ब्रिगेड ने बताया कि स्वयंसेवी आपातकालीन चिकित्सा सेवा देने वाले संगठन हटजोला नॉर्थवेस्ट की चार एम्बुलेंस इस आग में क्षतिग्रस्त हो गईं। वाहनों में रखे कई गैस सिलेंडर फटने से पास की एक इमारत की खिड़कियां भी टूट गईं। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग पर काबू पा लिया गया है। पुलिस अधीक्षक सारा जैक्सन ने बताया कि इस घटना से यहूदी समुदाय में चिंता है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और इलाके में अतिरिक्त गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि धमाकों की आवाज गैस कैनिस्टर फटने के कारण आई थी। एहतियात के तौर पर आसपास के घरों को खाली करा लिया गया।

पूर्व सांसद और अपने दोस्त के खिलाफ ही गवाही देंगे मार्को रुबियो

वेनेजुएला के लिए लॉबिंग करने का आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एक आपराधिक मामले में अदालत में गवाही देने वाले हैं और यह गवाही उनके करीबी दोस्त रहे मियामी के पूर्व सांसद डेविड रिवेरा के खिलाफ होने जा रहा है। आइए जानते हैं कि क्या मामला है। अमेरिका में मियामी से पूर्व सांसद डेविड रिवेरा पर वेनेजुएला सरकार के लिए गुप्त रूप से लॉबिंग करने के आरोपों से जुड़े संघीय मुकदमे की सुनवाई सोमवार से शुरू हो गई है। इस मामले में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को

रुबियो गवाही देंगे। दरअसल रुबियो, रिवेरा के पुराने दोस्त हैं और दोनों एक समय साथ रहे हैं। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि रिवेरा ने वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के लिए अमेरिका में समर्थन जुटाने के लिए लॉबिंग की थी। रिवेरा ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में कोशिश की थी कि अमेरिका सरकार वेनेजुएला के खिलाफ सख्त कदम न उठाए। क्या हैं रिवेरा पर आरोप? रिवेरा पर आरोप है कि उन्होंने वेनेजुएला की तत्कालीन विदेश मंत्री डेल्सी रोड्रिगेज (जो अब वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं) को प्रभावित कर वहां की तेल कंपनी पीडीवीएसए के माध्यम से 5 करोड़ डॉलर का लॉबिंग कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया। मुकदमे के अनुसार, इस कथित विदेशी प्रभाव अभियान में टेक्सास के रिपब्लिकन सांसद पीट सेशंस और कार्टेल से जुड़े एक व्यक्ति ने भी रिवेरा की मदद की थी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।